आश्विन शुक्ल - 14 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 94 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 28-10-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भारत में एक करोड़ यात्री प्रतिदिन कर रहे हैं मेट्रो की सवारी : पुरी

6 बन्दूक-संस्कृति से दागदार होती अमेरिकी छवि

7 हम प्रौद्योगिकी की ताकत से डिजिटल 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' बनाएंगे

फर्स्ट टेक

रोजगार मेले में मोदी आज 51 हजार नियुक्ति पत्र देंगे

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को रोजगार मेले में नवनियुक्त कर्मियों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार इस अवसर पर प्रधानमंत्री नवनियुक्त कर्मियों को संबोधित भी करेंगे। यह रोजगार मेला देश भर में 37 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। केंद्र सरकार के विभागों के साथ-साथ इस पहल का समर्थन करने वाले राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों में ये नियुक्तियां की जा रही हैं। देश भर से चुने गए नए कर्मचारी रेल मंत्रालय, डाक विभाग, गृह मंत्रालय, राजस्व विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय समेत विभिन्न मंत्रालयों तथा विभागों में नियुक्त किये जायेंगे।

चंद्र ग्रहण के कारण बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर आज अपराह्न से बंद

श्री बदरीनाथ/केदारनाथ धाम/ वार्ता। देशव्यापी चंद्रग्रहण के दौरान, श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मंदिर सहित श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के सभी अधीनस्थ मंदिर शनिवार यानी 28 अक्टूबर शाम चार बजे बंद हो जायेंगे। मंदिर समिति अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यद्यपि ग्रहण काल का समय 28 अक्टूबर रात्रि एक बजकर चार मिनट है। अत: नौ घंटे पहले सूतक काल प्रारंभ होने के कारण, दोनों मंदिर तथा मंदिर समिति के सभी अधीनस्थ मंदिर अपराह्न चार बजे बंद हो जायेंगे। ये मंदिर 29 अक्टूबर यानी रविवार को प्रात: शुद्धिकरण पश्चात, पूर्ववत ब्रह्ममुहुर्त में खुलेंगे तथा महाभिषेक, रूद्राभिषेक सहित सभी प्रात:कालीन पूजायें अपने नियत समय पर होंगी।

मलेशिया ने जोहोर राज्य के शासक को राजा चुना

कुआलालंपुर/एपी। मलेशिया के शाही परिवारों ने जोहोर राज्य के शासक सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर को देश का नया राजा चुना है। शाही महल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। महल ने एक बयान में कहा कि इस्कंदर (64) 31 जनवरी को पांच साल के लिए राजगद्दी संभालेंगे। इस्कंदर को राजा चुना जाना अपेक्षित था क्योंकि देश के नौ राज्यों के शासकों के बीच स्थापित क्रम व्यवस्था के आधार पर इस बार सिंगापुर की सीमा से लगे जोहोर राज्य के शासक के राजा बनने की बारी थी। वह पहांग राज्य के शासक सुल्तान अब्दुल्ला सुल्तान अहमद शाह की जगह लेंगें। अहमद शाह जनवरी 2019 से राजा के पद पर आसीन हैं।

28-10-2023	29-10-2023
सूर्यास्त 5:43 बजे	सूर्योदय 6:01 बजे

BSE	NSE
63,782.80	19,047.25
(+634.65)	(+190.00)

सोना	चांदी
6,359 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	78,000 रु. प्रति किलो

संस्कृत हमारी प्रगति और पहचान की भी भाषा है : मोदी

'अयोध्या में राम मंदिर बनकर तैयार होने वाला है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रकूट (मप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर जल्द ही बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने इसके निर्माण में हिंदू आध्यात्मिक धर्मगुरु जगद्गुरु रामभद्राचार्य के योगदान की सराहना की।

मध्य प्रदेश के चित्रकूट में जगद्गुरु रामभद्राचार्य की तुलसी पीठ में एक सार्वजनिक समारोह में बोलते हुए मोदी ने देश में संस्कृत भाषा को मजबूत करने के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कहा, संस्कृत न केवल परंपराओं की भाषा है, बल्कि यह हमारी प्रगति और पहचान की भी भाषा है।

प्रधानमंत्री ने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा दिए गए आमंत्रण का उल्लेख करते हुए कहा, जिस राम मंदिर के लिए आपने (जगद्गुरु रामभद्राचार्य) अदालत के अंदर और बाहर इतना योगदान दिया है, वह भी तैयार होने जा रहा है। स्वामी जी के राष्ट्रवादी और सामाजिक पहलुओं का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने नौ प्रमुख राजदूतों में से एक के रूप में स्वच्छ भारत अभियान में उनके सक्रिय योगदान को याद किया।

मोदी ने जगद्गुरु रामानंदाचार्य के विशाल ज्ञान और योगदान का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा, बुद्धिमत्ता का यह स्तर कभी व्यक्तिगत नहीं होता, यह बुद्धिमत्ता राष्ट्रीय निधि है। इस अवसर पर उन्होंने जगद्गुरु रामभद्राचार्य द्वारा लिखित तीन पुस्तकों - 'अष्टाध्यायी भाष्य', 'रामानंदाचार्य चरितम' और 'भगवान श्री कृष्ण की राष्ट्रलीला' का विमोचन किया।

साइबर सुरक्षा के लिए विनिर्माण में आत्मनिर्भरता जरूरी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साइबर सुरक्षा के लिए उपकरणों के विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के महत्व को रेखांकित करते हुए शुक्रवार को कहा कि भारत की युवा पीढ़ी प्रौद्योगिक क्रांति का नेतृत्व कर रही है और देश 6जी दूरसंचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी बनने के लिए प्रतिबद्ध है।

मोदी यहां भारत मंडपम में भारत मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी2023) का उद्घाटन कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने देश के 100 विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों में 5जी ऐप विकास प्रयोगशालाओं का उद्घाटन किए जाने की घोषणा भी की। प्रगति मैदान के भारत मंडपम में आयोजित तीन दिन के इस सम्मेलन में दूरसंचार , डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं सॉफ्टवेयर उद्योग की कंपनियां शामिल हो रही हैं। उद्घाटन समारोह में दूरसंचार क्षेत्र के शीर्ष उद्यमियों ने डिजिटल प्रौद्योगिकी और मेक इन इंडिया के मोदी की सोच की भूरि-भूरि सराहना की।

मोदी ने कहा कि उनकी सरकार चाहती है कि भारत में विकास और संसाधनों का लाभ सभी लोगों और सभी क्षेत्रों को मिले तथा सबको सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिले ।

मोदी ने कहा कि उनकी सरकार चाहती है कि भारत में विकास और संसाधनों का लाभ सभी लोगों और सभी क्षेत्रों को मिले तथा सबको सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिले । उन्होंने कहा कि उनकी नजर में यही सबसे बड़ा सामाजिक न्याय है।

मोदी ने इंटरनेट प्रौद्योगिकी पर बढ़ती निर्भरता के वर्तमान दौर में साइबर सिक्योरिटी और इंफ्रास्ट्रक्चर सिक्योरिटी के महत्व को रेखांकित करते हुए शुक्रवार को कहा कि साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नेटवर्क उपकरणों के मामले में आत्मनिर्भरता बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री ने इस सम्मेलन में प्रदर्शित उभरती तकनीक की झांकियां भी देखीं। उन्होंने दिल्ली और आसपास के युवकों को प्रदर्शनी में आने और भविष्य की प्रौद्योगिकी की दिशा देखने और उससे प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने साइबर सुरक्षा के महत्व के बारे में कहा, साइबर सिक्योरिटी तथा इंफ्रास्ट्रक्चर की साइबर सिक्योरिटी कितनी महत्वपूर्ण है ,यह आप सभी जानते हैं। हाल में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन में इस विषय पर विशेष रूप से चर्चा हुई और कहा गया कि लोकतांत्रिक समाज को गड़बड़ी पैदा करने वालों से सुरक्षित रखने के लिए साइबर सिक्योरिटी क्षेत्र में सहयोग जरूरी है।

मोदी ने कहा कि निर्माण शृंखला में आत्मनिर्भरता का विशेष महत्व है, जब उपकरण राष्ट्र की सीमाओं में बने होंगे तो खतरा काम होगा।

नई आपराधिक न्याय प्रणाली जनता के अधिकारों की रक्षा करेगी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/वार्ता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने ब्रिटिश शासन के तीन कानूनों - सीआरपीसी (दंड प्रक्रिया संहिता), आईपीसी (भारतीय दंड संहिता) और साक्ष्य अधिनियम में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं तथा इनके स्थान पर संसद में तीन नए आपराधिक कानून रखे गये हैं।

शाह ने बताया कि तीनों नए कानून जल्द ही संसद में पारित किए जाएंगे और इन कानूनों के आधार पर हमारी नई आपराधिक न्याय प्रणाली शुरू होगी। उन्होंने यहां सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एसवीपीएनपीए) में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) परिवीक्षाधीनों के 75वें आरआर बैच की पासिंग आउट परेड की समीक्षा के बाद लोगों को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश काल में बने कानूनों का युग समाप्त करके नये विश्वास, आशा और उत्साह के साथ भारत नये युग में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा,पुराने कानूनों का उद्देश्य सरकार की सुरक्षा करना था, लेकिन नए कानूनों का उद्देश्य जनता के अधिकारों की रक्षा करना और लोगों की उन अधिकारों तक पहुंच में आने वाली बाधाओं को खत्म करना है। उन्होंने कहा कि इस मूलभूत परिवर्तन के साथ नए प्रशिक्षु अधिकारियों को इन तीन कानूनों के माध्यम से आपराधिक न्याय प्रणाली के बदलते युग में नेतृत्व करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इन नए कानूनों को अक्षरश: लागू करना और जमीनी स्तर पर जनता को सुरक्षित रखना है तथा उनके अधिकारों की भी रक्षा करना प्रशिक्षु अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

राशन घोटाले में पश्चिम बंगाल के मंत्री

ज्योतिप्रिय मलिक को 10 दिन की ईडी की हिरासत में भेजा गया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक को कथित राशन वितरण घोटाला मामले में गिरफ्तारी के बाद शुक्रवार को 10 दिन के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया गया। मलिक को कथित राशन वितरण घोटाले की जांच के संबंध में ईडी ने शुक्रवार तड़के यहां साल्ट लेक स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया था। मलिक के पास वन विभाग की जिम्मेदारी है। मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट तन्मय कर्मकार ने मंत्री की हिरासत के लिए ईडी की अर्जी स्वीकार कर ली और उन्हें पांच नवंबर तक 10 दिन के लिए केंद्रीय एजेंसी की हिरासत में भेज दिया। मंत्री की जमानत याचिका खारिज करते हुए अदालत ने निर्देश दिया कि मलिक को छह नवंबर को फिर से अदालत में पेश किया जाए। मंत्री अदालत कक्ष में अस्वस्थ हो गए, इसलिए अदालत ने उन्हें अपनी पसंद के निजी अस्पताल में इलाज की अनुमति दी, जिसके बाद उन्हें पूर्वी मेट्रोपॉलिटन बाईपास स्थित एक अस्पताल में ले जाया गया।

भारत 2030 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा : धनखड़

देहरादून/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि भारत 2030 तक जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

यहां यूनाइटेड फोरम ऑन फारेस्ट (यूएनएफएफ) के तहत आयोजित 'कंट्री लेड इनीशिएटिव' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि दो दशक पहले हम 'फ्रेजाइल फाइव' में आते थे, लेकिन अब हम विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। उन्होंने कहा कि 2022 में हम ब्रिटेन और फ्रांस को पीछे छोड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बने और अब इस बात के पूरे संकेत है कि इस दशक के अंत तक हम जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। धनखड़ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष सहित विश्व के अन्य संगठनों ने भारत को निवेश और अवसरों के लिहाज से सबसे 'चमकदार गंतव्य' माना है ।

इजराइल ने दो दिन में दूसरी बार किया जमीनी हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संघर्ष में इजरायल में कम से कम 1,400 लोग और गाजा में 7,028 फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)/ एपी। हमास-शासित क्षेत्र में संभावित जमीनी आक्रमण की तैयारी कर रहे इजराइली बलों ने गाजा में दो दिन में दूसरी बार जमीनी हमले किये और शहर के बाहरी इलाकों को निशाना बनाया। इजराइली सेना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इस बीच, अमेरिका के लड़ाकू विमानों ने भी पूर्वी सीरिया में कुछ स्थानों पर हमले किए। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के कार्यालय पेंटागन ने बताया कि ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) से जुड़े ठिकानों पर शुक्रवार तड़के हवाई हमले किए गए। ये हवाई हमले क्षेत्र में गत सप्ताह अमेरिकी सैन्य अड्डों और कर्मियों पर किए ड्रोन तथा मिसाइल हमलों के जवाब में किए गए। मिस्र के सिनाई प्रायद्वीप में दो संदिग्ध वस्तुओं से हमले किये गये हैं, जिसके कारण तीन सप्ताह से जारी युद्ध में तनाव और बढ़ गया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हमास-शासित गाजा में इजराइली हमलों में 2,900 से अधिक नाबालिगों और 1,500 से अधिक महिलाओं समेत 7,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं। मृतकों की संख्या पर नजर रखने वाले गाजा स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को नामों और पहचान संख्याओं की एक विस्तृत सूची जारी की। हमास ने सात अक्टूबर को दक्षिणी इजराइल में अप्रत्याशित हमला किया था, जिसके जवाब में इजराइल ने कई विनाशकारी हवाई हमले किए।

इजराइल और हमास के बीच पूर्व में हुए सभी चार हमलों में करीब 4,000 लोगों की मौत हुई थी।

इजराइली सरकार के अनुसार, हमास द्वारा शुरुआत में किए गए हमले के दौरान इजराइल में 1,400 से अधिक लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर आम नागरिक थे। हमास ने गाजा में कम से कम 229 लोगों को बंदी बना रखा है।

इस महीने की शुरुआत में दक्षिणी इजराइल में हमास के हमले के बाद गाजा में भीषण घेराबंदी की गई है और वहां भोजन, पानी तथा दवाएं खत्म हो रही हैं। इजराइली सेना ने बताया कि जमीनी बलों ने पिछले 24 घंटे में गाजा के भीतर हमला कर दर्जनों उग्रवादी ठिकानों को निशाना बनाया। उसने बताया कि इस दौरान विमानों और तोपों से गाजा शहर के बाहरी इलाके शिजैयाह में बमबारी की गई। सेना ने बताया कि सैन्यकर्मी हमलों को अंजाम देने के बाद इलाके से बिना किसी नुकसान के बाहर आ गए।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बदली फिजां

संन्यासी करते राजनीति,
नेताजी लेंगे अब संन्यास।
अब वो सब होने वाला है,
जो लगता पहले बकवास।
भूल रहे वे तुष्टिकरण को,
जो बनते थे खासमखास।
आज हो रहा है भारत में,
राजनीति का नव विन्यास।

मध्यप्रदेश: प्रधानमंत्री मोदी ने चित्रकूट के मंदिर में की पूजा-अर्चना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रकूट (मप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश के सतना जिले के चित्रकूट में प्रसिद्ध रघुबीर मंदिर में पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री मोदी श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए दोपहर में चित्रकूट पहुंचे।

उनका श्री राम संस्कृत महाविद्यालय का दौरा करने, दिवंगत उद्योगपति अरविंद भाई मफतलाल की 'समाधि' पर पुष्पांजलि अर्पित करने और जानकीकुंड चिकित्सालय की नई शाखा का उद्घाटन करने का कार्यक्रम है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रधानमंत्री मफतलाल के जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेंगे, जो रणछोड़दास जी महाराज से प्रेरित थे, जिन्होंने 1968 में श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट की स्थापना की थी।

विज्ञप्ति में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी तुलसी पीठ भी जाएंगे। वह कांच मंदिर में पूजा करेंगे और दर्शन करेंगे और तुलसी पीठ के जगद्गुरु रामानंदाचार्य का आशीर्वाद लेंगे।

वह एक सार्वजनिक समारोह में भाग लेंगे जहां वह अष्टाध्यायी भाष्य, रामानंदाचार्य चरितम और भगवान श्री कृष्ण की राष्ट्रलीला नामक तीन पुस्तकों का विमोचन करेंगे।

तुलसी पीठ, चित्रकूट में एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सामाजिक सेवा संस्थान है, जिसकी स्थापना 1987 में जगद्गुरु रामभद्राचार्य द्वारा की गई थी और यह हिंदू धार्मिक साहित्य के अग्रणी प्रकाशकों में से एक है।

अगर भाजपा तेलंगाना में सत्ता में आई तो मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग का होगा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तेलंगाना में आगामी विधानसभा चुनाव में सत्ता में आती है तो मुख्यमंत्री पद के लिए पिछड़ा वर्ग से किसी नेता का चयन करेगी।

शाह ने सूर्यापेट में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तेलंगाना के लोगों से राज्य में भाजपा की सरकार बनाने के लिए मतदान का आग्रह किया। उन्होंने कहा, आज, मैं तेलंगाना के लोगों से कहना चाहता हूं: आप भाजपा को आशीर्वाद दें और पार्टी की सरकार बनाएं। तेलंगाना में भाजपा का अगला मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग से होगा। हमने यह तय किया है।''

शाह ने कांग्रेस और सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि दोनों वंशवादी दल हैं और ये राज्य का भला नहीं कर सकते।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केवल भाजपा ही तेलंगाना को पूर्ण विकसित राज्य बना सकती है।'' उन्होंने कहा कि जहां मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) अपने बेटे के. टी. रामाराव को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं, वहीं कांग्रेस नेता सोनिया गांधी अपने बेटे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। शाह ने आरोप लगाया, ''भाजपा का लक्ष्य गरीबों का कल्याण है, वहीं कांग्रेस और बीआरएस का लक्ष्य अपने-अपने परिवारों का कल्याण है।'' उन्होंने बीआरएस पर गरीब-विरोधी, दलित-विरोधी और

ओबीसी- विरोधी होने का आरोप लगाया। उन्होंने मुख्यमंत्री केसीआर पर दलित नेता को मुख्यमंत्री बनाने या दलितों को तीन एकड़ जमीन मुहैया कराने समेत विभिन्न चुनावी वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया। शाह ने पूछा, ''केसीआर ने अनुसूचित जाति के कल्याण के लिए 50,000 करोड़ रुपये के बजट का वादा किया था; क्या उन्होंने उक्त आवंटन किया है।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने यह भी पूछा, केसीआर ने पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए हर साल 10,000 करोड़ रुपये खर्च करने का वादा किया था; वादे का क्या हुआ? उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए कई उपाय शुरू किए हैं। उन्होंने कहा कि इसने संविधान में पिछड़ा वर्ग आयोग का प्रावधान किया और पिछड़े वर्ग को संवैधानिक दर्जा दिया।

निराशा हुई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मराठा आरक्षण पर बात नहीं की : जरांगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालना/भाषा। मराठा आरक्षण के मुद्दे पर आंदोलन कर रहे कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने शुक्रवार को इस बात पर निराशा व्यक्त की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक दिन पहले महाराष्ट्र की अपनी यात्रा के दौरान इस मुद्दे (मराठा आरक्षण) का जिक्र नहीं किया। मोदी बृहस्पतिवार को अहमदनगर के शिरडी में थे, जहां उन्होंने प्रसिद्ध साईं बाबा मंदिर में श्रद्धालुओं के एक परिसर का उद्घाटन, और निलवंडे बांध के नहर नेटवर्क व 'नमो शेतकरी महासम्मान निधि योजना' की शुरुआत की, जिसके तहत राज्य के 86 लाख किसानों को वित्तीय सहायता मिलेगी।

मराठा समुदाय के लिए नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग को लेकर 25 अक्टूबर से भूख हड़ताल पर बैठे जरांगे ने इस मुद्दे को प्रधानमंत्री के सामने नहीं उठाने के लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की भी आलोचना की। अंतरवाली सराटी में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जरांगे ने कहा कि मराठा समुदाय के मन में मोदी के खिलाफ कोई शिकायत नहीं है, लेकिन यह निराशाजनक है कि प्रधानमंत्री ने आरक्षण से संबंधित उनकी चिंताओं को प्राथमिकता नहीं दी। जरांगे ने कहा, मराठा समुदाय को बहुत उम्मीदें थीं कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री आरक्षण के मुद्दे पर बात करेंगे, लेकिन ये उम्मीदें पूरी नहीं हुईं। (मराठों को कुनबी प्रमाण पत्र देने की व्यवहार्यता पर विचार कर रही) संदीप शिंदे समिति को 10,000 साक्ष्य देने के बावजूद राज्य सरकार कदम उठाने में विफल रही है।

धनगर समुदाय को एसटी सूची में शामिल करने के विरोध में ठाणे में आदिवासियों का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में कई हजार आदिवासियों ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया और सरकार से धनगर समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) सूची में शामिल नहीं करने का आग्रह किया।

विरोध प्रदर्शन आयोजित करने वाली संयुक्त आदिवासी आरक्षण हक्का कृति समिति के एक पदाधिकारी ने बताया कि इसमें ठाणे, पालघर, मुंबई, नासिक और कुछ अन्य जिलों के लोगों ने हिस्सा लिया।

संयुक्त आदिवासी आरक्षण हक्का कृति समिति के अध्यक्ष यशवंत पलवे ने कहा, '' हम धनगरों को नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण मिलने के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन यह आदिवासियों की कीमत पर नहीं होना चाहिए। '' उन्होंने बताया कि क्षेत्र के आदिवासियों की 11 मांगों वाला एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया।

सेबी ने सात कृषि जिंसों में वायदा कारोबार के निलंबन को एक साल बढ़ाया

नई दिल्ली/भाषा। बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को गेहूं और मूंग सहित सात कृषि जिंसों में वायदा और विकल्प कारोबार के निलंबन को एक साल के लिए और बढ़ा दिया। कीमतों पर लगाम लगाने के लिए यह रोक अब दिसंबर 2024 तक लागू रहेगी। सेबी ने जिन कृषि जिंसों के वायदा और विकल्प कारोबार पर रोक लगाई है, उनमें धान (गैर-बासमती), चना, कच्चा पाम तेल, सरसों बीज और सोयाबीन शामिल हैं। सेबी ने एक बयान में कहा, 'उपरोक्त अनुबंधों में कारोबार का निलंबन 20 दिसंबर, 2023 से आगे एक साल के लिए यानी 20 दिसंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है।' इन जिंसों में मौजूदा सौदों को काटा जा सकता है, लेकिन एक वर्ष के लिए किसी भी नए वायदा कारोबार की अनुमति नहीं होगी। महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए सेबी ने दिसंबर 2021 में एक्सचेंजों को सोयाबीन, सरसों, चना, गेहूं, धान, मूंग और कच्चे पाम तेल के नए वायदा और विकल्प अनुबंध शुरू करने से रोक दिया था।

जद(एस) की केरल इकाई ने राजग में शामिल होने के राष्ट्रीय नेतृत्व के फैसले को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

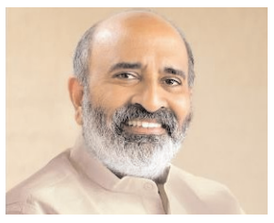

कोच्चि/भाषा। केरल में सत्तारूढ़ वाम मोर्चे के सहयोगी जनता दल (सेक्युलर) की प्रदेश इकाई ने भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने के राष्ट्रीय नेतृत्व के फैसले को खारिज कर दिया और कहा कि यह निर्णय पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में पारित राजनीतिक प्रस्ताव के विपरीत है। जद (एस) की राज्य इकाई ने यह दावा भी किया कि पार्टी के प्रमुख एच.डी. देवेगौड़ा के फैसले का पूरे राष्ट्रीय नेतृत्व ने समर्थन नहीं किया है।

जद (एस) की केरल इकाई के अध्यक्ष एवं विधायक मैथ्यू टी. थॉमस ने कहा, पूरे पार्टी नेतृत्व ने राजग के साथ गठबंधन करने के फैसले का समर्थन नहीं किया। राजग में शामिल होने का फैसला पूरी तरह से राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेगौड़ा और उनके बेटे तथा कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने किया था। यह निर्णय पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में पारित राजनीतिक प्रस्ताव से हटकर लिया गया था। वह यहां पार्टी नेतृत्व की बैठक के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे।

थॉमस ने कहा कि राज्य इकाई राष्ट्रीय नेतृत्व के फैसले के विरोध में सात अक्टूबर को अपनाए गए प्रस्ताव पर कायम है। केरल के पूर्व मंत्री थॉमस ने कहा कि न तो राष्ट्रीय कार्यकारी समिति और न ही राष्ट्रीय समिति ने आधिकारिक तौर पर इस तरह के कदम को मंजूरी दी है। थॉमस ने वैचारिक मतभेदों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी जद (एस) के राजनीतिक विरोधी बने हुए हैं।

वीआईएल 5जी नेटवर्क शुरू करने के लिए महत्वपूर्ण निवेश करेगी: बिड़ला

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति कुमार मंगलम बिड़ला ने शुक्रवार को कहा कि दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) आने वाली तिमाहियों में 5जी नेटवर्क शुरू करने और 4जी सेवाओं का विस्तार करने के लिए महत्वपूर्ण निवेश करेगी।

संकटग्रस्त वीआईएल के शेयरधारकों में से एक आदित्य बिड़ला समूह के अध्यक्ष बिड़ला ने यहां 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस' के उद्घाटन सत्र में यह बात कही। उन्होंने कहा, '' आने वाली तिमाहियों में वोडाफोन आइडिया 5जी नेटवर्क शुरू करने और पूरे देश में 4जी सेवाओं का विस्तार करने के लिए महत्वपूर्ण निवेश शुरू करेगा। इसके अलावा कंपनी महत्वपूर्ण तथा उभरते क्षेत्रों में एक मजबूत आपूर्ति शृंखला स्थापित करने के सरकार के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसमें ओपन आरएएन (रेडियो एक्सेस नेटवर्क) भी शामिल है।'' बिड़ला ने कहा कि यह प्रयास नवोन्वेषी भारतीय कंपनियों को वैश्विक बाजारों के लिए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों डिजाइन तैयार करने में सक्षम बनाएगा।

बैंक धोखाधड़ी मामला : ईडी ने फार्मा कंपनी और उसके प्रवर्तकों के ठिकानों पर छापे मारे

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन के मामले में चंडीगढ़ स्थित फार्मास्युटिकल कंपनी पैराबोलिक ड्रग्स और उसके प्रवर्तकों के विभिन्न ठिकानों पर शुक्रवार को छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय एजेंसी दिल्ली, मुंबई, चंडीगढ़ हरियाणा के पंचकूला और अंबाला में कुल 17 ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई कर रही है।

सूत्रों ने बताया कि यह कार्रवाई धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है। सीबीआई द्वारा 2021 में कंपनी और उसके प्रवर्तकों विनीत गुप्ता और प्रणव गुप्ता एवं अन्य के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के आधार पर ईडी धनशोधन के आरोपों की जांच कर रही है। एजेंसी सोनीपत से संचालित अशोक विवि के कुछ दस्तावेज की भी जांच कर रही है क्योंकि कंपनी के निदेशक विनीत गुप्ता और प्रणव गुप्ता पूर्व में उक्त शिक्षण संस्थान से जुड़े हुए थे। दोनों ने सीबीआई द्वारा मामला दर्ज किए जाने के बाद 2022 में विवि के सभी बोर्ड और समितियों से इस्तीफा दे दिया था। विवि ने कहा कि '' प्रवर्तन निदेशालय ने पैराबोलिक ड्रग्स से जुड़े मामले की जांच को लेकर कुछ सूचनाएं मांगी है जिनमें विवि के संस्थापक विनीत गुप्ता और प्रणव गुप्ता निदेशक हैं।'' विवि ने बयान में कहा, ''अशोक विश्वविद्यालय दोहराता है कि पैराबोलिक ड्रग्स से उसका कोई संबंध नहीं है। अशोक विश्वविद्यालय का न तो पहले और न ही अब जांच के घेरे में आई कंपनी पैराबोलिक ड्रग्स के साथ संबंध है। कंपनी से संबंध जोड़ने की कोशिश आधारहीन और भ्रामक होगी।''

वादा पूरा नहीं कर सकते तो नहीं करना चाहिए, मराठा कोटा मुद्दे को लेकर पवार का शिंदे पर तंज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायगढ़/भाषा। मराठा आरक्षण मुद्दे को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर बढ़ते दबाव के बीच, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर तंज कसते हुए कहा कि यदि पूरा नहीं कर सकते हैं तो वादा नहीं करना चाहिए। मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग करते हुए जालना जिला स्थित अपने पैतृक गांव अंतरवाली सराटी में बुधवार से कार्यकर्ता मनोज जरांगे के आमरण अनशन शुरू करने के मद्देनजर उनकी यह टिप्पणी आई है।

पवार ने यहां संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि जरांगे ने मराठा समुदाय के लिए आरक्षण और अन्य मांगों पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, ''प्रदेश के मुख्यमंत्री और उनके सहकर्मियों की उनके (जरांगे और उनके समर्थकों) के साथ बातचीत हुई थी। मुझे नहीं मालूम कि क्या बातचीत हुई। लेकिन ऐसा लगता है कि उन्होंने 30 दिनों की समय सीमा दी थी। बाद में, इसे (10 दिनों के लिए) बढ़ा दिया गया। उन्हें आश्वस्त किया गया कि उनका काम उस अवधि के दौरान किया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यदि आप वादा पूरा नहीं कर सकते हैं तो आपको यह नहीं करना चाहिए।''

राकांपा संस्थापक ने कहा कि जरांगे को आमरण अनशन शुरू करने के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। जरांगे, मराठा आरक्षण की मांग को लेकर इससे पहले 29 अगस्त को भूख हड़ताल पर बैठे थे। लेकिन, मुख्यमंत्री शिंदे के उनसे मुलाकात करने और उनकी मांगों पर गौर करने का आश्वासन दिये जाने के बाद, इसके (भूख हड़ताल के) 17वें दिन 14 सितंबर को उन्होंने इसे वापस ले लिया था। जरांगे ने मराठा समुदाय को आरक्षण प्रदान करने के लिए सरकार को 40 दिनों की समय सीमा दी थी, जो 24 अक्टूबर को समाप्त हो गई।

भारत एक दूरसंचार प्रौद्योगिकी निर्माता, निर्यातक के रूप में उभर रहा है: वैष्णव

नई दिल्ली/भाषा। संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि भारत एक दूरसंचार प्रौद्योगिकी निर्माता, निर्यातक के रूप में उभर रहा है और आज दुनिया देश की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस' के उद्घाटन पर वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्पष्ट दृष्टि और नेतृत्व से प्रेरित होकर दूरसंचार क्षेत्र ने संपर्क, सामर्थ्य तथा मानकों पर कई मील के पत्थर हासिल किए हैं और मुकदमेबाजी तथा 2जी घोटाले के साए से बाहर निकल गया है। वैष्णव ने भारत में 5जी सेवाओं के तेजी से शुरू होने और देश के स्पष्ट 6जी दृष्टिकोण का हवाला देते हुए कहा कि दूरसंचार, डिजिटल का मार्ग प्रशस्त करता है।

वनवेब उपग्रह सेवा अगले महीने से देश के सभी हिस्सों से जुड़ने को तैयार: मित्तल

नई दिल्ली/भाषा। भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने शुक्रवार को कहा कि वनवेब उपग्रह संचार सेवा अगले महीने से देश के सभी हिस्सों से जुड़ने को तैयार है। 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस' 2023 के उद्घाटन सत्र में मित्तल ने कहा 5जी सेवाएं पिछले साल शुरू की गई थीं और एयरटेल ने अब तक 20,000 गांवों के साथ 5,000 कस्बों तथा शहरों में इसके विस्तार के साथ पूरे देश में पहुंच स्थापित कर ली है। उन्होंने कहा कि एयरटेल, 'यूनिवर्सल सर्विसेज ऑब्लिगेशन फंड' के जरिए ग्रामीण तथा दूरदराज के इलाकों को जोड़ रहा है। अब देश के सभी हिस्सों को जोड़ने के लिए उपग्रह प्रौद्योगिकी उपलब्ध है। मित्तल ने कहा, '' वनवेब देश की सेवा करने को तैयार है। हर एक शख्स देश में कहीं भी, दूरदराज हिस्सों में या दुर्गम क्षेत्रों में, जहां हैं अगले महीने से इससे जुड़ सकते हैं।''

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू को एम्स, नई दिल्ली में भर्ती कराया गया

नई दिल्ली/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू शुक्रवार को शिमला से विमान द्वारा दिल्ली पहुंचे और उन्हें यहां एम्स में भर्ती कराया गया। शिमला के अस्पताल में उनका पेट में संक्रमण का उपचार हुआ था। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया, ''पूर्वाह्न 11 बजकर 20 मिनट पर वह यहां पहुंचे। पेट संबंधी बीमारियों के विभाग (गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी) में प्रोफेसर डॉ. प्रमोद गर्ग के नेतृत्व में चिकित्सकों की एक टीम उनकी जांच कर रही है। उनके अग्नाशय में सूजन है। उनकी हालत स्थिर है।''

शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीएमसीएच) में अधिकारियों ने इससे पहले कहा था कि मुख्यमंत्री की हालत स्थिर है और उनकी सभी रिपोर्ट सामान्य है। उन्होंने कहा, ''बुधवार रात से कई जांच की गई हैं और उनके पेट में संक्रमण का पता चला है।'' आईजीएमसीएच के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राहुल राव ने पीटीआई-भाषा को बताया कि एम्स, नई दिल्ली के चिकित्सकों से दूसरी राय लेने के लिए मुख्यमंत्री विमान से, प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान के लिए रवाना हुए। पेट में दर्द की शिकायत के बाद मुख्यमंत्री को बुधवार रात को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री पिछले कुछ दिनों से अत्यधिक यात्रा कर रहे थे और उन्होंने निश्चित रूप से बाहर का कुछ खाया होगा जिसके कारण उन्हें पेट में संक्रमण हुआ।

तेलंगाना में यदि कांग्रेस सत्ता में आई तो कल्याणकारी योजनाएं बंद कर देगी : मुख्यमंत्री राव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पलायर (तेलंगाना)/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के प्रमुख के चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को मतदाताओं को आगाह किया कि यदि कांग्रेस राज्य में सत्ता में आई तो वह किसानों के लिए रायथु बंधु तथा निशुल्क बिजली जैसी कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर देगी। तेलंगाना में 30 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। राव ने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ एम एस स्वामीनाथन जैसे प्रख्यात वैज्ञानिक और संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं ने भी 'रायथु बंधु' की सराहना की है। यह किसानों से जुड़ी कल्याणकारी योजना है।

राव ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा,'' कांग्रेस नेता उत्तम कुमार रेड्डी कहते हैं कि 'रायथु बंधु' जनता के पैसे का दुरुपयोग है। अन्य नेता, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वर्तमान अध्यक्ष का कहना है कि किसानों के लिए तीन घंटे बिजली पर्याप्त है। उनका कहना है कि अगर कांग्रेस (चुनाव) जीतती है तो रायतु बंधु को राम राम और दलित बंधु को जय भीम...।''

राव ने दावा किया कि उन्होंने ही देश में पहली बार 'दलित बंधु' जैसी योजना पेश की थी । केसीआर ने कहा कि वह चुनाव की खातिर कोई वादा नहीं कर रहे हैं लेकिन वह जनता को धन बांटना चाहेंगे।

राज्य की पिछले दस वर्ष की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए राव ने कहा कि तेलंगाना में प्रति वर्ष तीन करोड़ टन धान का उत्पादन होता है और यह पंजाब के बाद दूसरे नंबर पर है।

उन्होंने कहा कि अगर बीआरएस राज्य में फिर से सत्ता में आती है तो तेलंगाना के सभी 93 लाख बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे गुजर बसर करने वाले) परिवारों को बढ़िया चावल और स्वास्थ्य बीमा भी प्रदान किया जाएगा।

नायडू ने जेल में जान पर खतरे को लेकर लिखा पत्र लिखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजामहेंद्रवरम (आंध्र प्रदेश)/भाषा। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) सुप्रीमो और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक विशेष अदालत को पत्र लिखकर जेल में सुरक्षा खामियों का आरोप लगाया और चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था करने के लिए अपील की।

नायडू को कौशल विकास निगम से धन का दुरुपयोग करने के आरोप में नौ सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। वह अभी राजामहेंद्रवरम केंद्रीय कारागार में बंद हैं। आरोप है कि इस कथित घोटाले के परिणामस्वरूप राज्य के खजाने को 300 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ था। नायडू ने विजयवाड़ा के एसीबी की अदालत के न्यायाधीश बी एस वी हिमा बिंदु को पत्र लिखा, ''मेरा अनुरोध है कि मुझे दी गयी जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा के तहत राजामहेंद्रवरम के केंद्रीय कारागार में और उसके आसपास चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की जाए।'' तेदेपा ने इस पत्र की प्रति

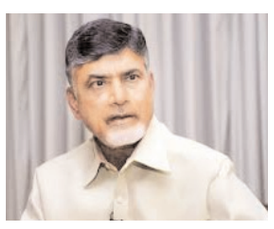

'पीटीआई-भाषा' के साथ साझा की। जेल परिसर में घुसते वक्त अनधिकृत तरीके से वीडियो फुटेज और तस्वीरें लेने तथा जेल परिसर के ऊपर दो बार ड्रोन मंडराने जैसी कई कथित खामियों को गिनाते हुए नायडू ने कहा कि ये अप्रिय घटनाएं जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिले होने के बावजूद उनकी जान को खतरे में डाल रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पुलिस ने वीडियो फुटेज और तस्वीरें लीक कीं जिन्हें बाद में उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया समेत विभिन्न मीडिया मंचों पर व्यापक रूप से प्रसारित किया गया। नायडू ने दावा किया कि मादक पदार्थ मामले में जेल में बंद एक कैदी पेन कैमरा लेकर घूम रहा है। पूर्वी गोदावरी जिले के पुलिस अधीक्षक और जेल प्राधिकारियों को वामपंथी उग्रवादियों की ओर से एक अज्ञात पत्र मिला है जिसमें उनकी हत्या करने की धमकी दी गयी है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके लिए करोड़ रुपये का आदान-प्रदान हुआ है।

उन्होंने आरोप लगाया कि अज्ञात बदमाशों ने सत्ता में बैठे लोगों के कहने पर जेल में उनकी गतिविधियों का पता लगाने के लिए एक ड्रोन उड़ाया। नायडू ने दावा किया कि ड्रोन खुली जेल के समीप आया, जहां कुछ कैदी बंद हैं और पुलिस ने इस घटना की सच्चाई या इसके लिए जिम्मेदार व्यक्तियों का पता लगाने को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की।

समुद्री क्षेत्र को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से मुक्त रखना जरूरी : मुर्मु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि समुद्री क्षेत्र को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से मुक्त रखने के लिए त्वरित, सक्रिय और शीघ्र कदम उठाने की जरूरत है। श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को चेन्नई में भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय के 8वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि जलवायु आपदा इस समय की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है जिसमें तापमान और समुद्र का बढ़ता स्तर शामिल है। समुद्री क्षेत्र को जलवायु परिवर्तन से होने वाले प्रभावों से मुक्त रखने के लिए त्वरित, सक्रिय और शीघ्र कार्यवाही की जरूरत है, जिससे विशेषकर कमजोर समुदायों के बीच आजीविका बाधित होने का खतरा उत्पन्न न हो सके। उन्होंने कहा कि छात्रों की व्यावसायिक जिम्मेदारी ही नहीं अपितु इकोसिस्टम को मजबूत बनाए रखने के प्रति भी उनका दायित्व है। उन्होंने कहा कि नौवहन सहित समुद्र संबंधी दीर्घकालिक और कुशल गतिविधियों का संचालन समय की मांग है। साथ ही स्वस्थ इकोसिस्टम के लिए समुद्र में अधिक अनुकूल और हरित कार्यप्रणालियों को अपनाना भी आवश्यक हैं।

उन्होंने कहा कि 7500 किलोमीटर लंबी समुद्री सीमा और 1382 अपतटीय द्वीपों के साथ भारत की समुद्री स्थिति महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों के रणनीतिक महत्व के अलावा, भारत के पास 14,500 किलोमीटर लंबे संभावित जलमार्ग हैं। देश का समुद्री क्षेत्र इसके व्यापार और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि देश का 95 प्रतिशत व्यापार मात्रा के अनुसार और 65 प्रतिशत व्यापार मूल्य के अनुसार समुद्री परिवहन के माध्यम से किया जाता है। तटीय अर्थव्यवस्था लाखों मछुआरों का भरण-पोषण करती है और लगभग 2,50,000 मछली पकड़ने वाली नौकाओं के बेड़े के साथ भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है।

राष्ट्रपति ने कहा कि इस क्षेत्र की क्षमता का पूरी तरह से दोहन करने से पहले हमें कई चुनौतियों से गुजरना होगा। उन्होंने कहा कि गहराई पर प्रतिबंध के कारण बहुत सारे कंटेनर जहाजों के माल को पास के विदेशी बंदरगाहों पर ले जाया जाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय बंदरगाहों की परिचालन दक्षता को बदलते हुए समय में वैश्विक औसत बेंचमार्क से तालमेल बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारतीय बंदरगाहों को अगले स्तर पर पहुंचने से पहले बुनियादी ढांचे और परिचालन संबंधी चुनौतियों का समाधान करना होगा। उन्होंने कहा कि सागरमाला कार्यक्रम बंदरगाह विकास से बंदरगाह आधारित विकास की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि नए केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से एक होने के बावजूद, भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय ने अपनी योग्यता सिद्ध की है। इसमें समुद्री शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण, शैक्षणिक भागीदारी और क्षमता निर्माण के लिए विश्व स्तर पर उत्कृष्टता केंद्र के रूप में निखरने की क्षमता है, साथ ही इसमें समुद्री कानून, महासागर प्रशासन और समुद्री विज्ञान जैसे संबद्ध विषयों में अपनी विशेषज्ञता का विस्तार करने की भी संभावना है।

राष्ट्रपति ने कहा कि समुद्र पार करने के बारे में रूढ़िवादी सोच और आशंकाएं हमें महंगी पड़ीं, लेकिन अंतत: भारत 200 वर्षों के औपनिवेशिक शासन के चंगुल से बाहर आ गया। यह महाद्वीपीय विकास पर अधिक केंद्रित हो गया, जबकि महाद्वीपीय विकास और नौवहन विकास परस्पर पूरक हैं। भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय (आईएमयू), चेन्नई के आठवें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने कहा, निसंदेह, हमारे पास पूरी तरह से एक मजबूत समुद्री उपस्थिति स्थापित करने के लिए आर्थिक और औद्योगिक संसाधनों की भी कमी थी।

उन्होंने कहा कि देश इस क्षेत्र की संभावनाओं का पूरी तरह से लाभ उठा पाए, उससे पहले भारत को कई चुनौतियों से पार पाना होगा। मुर्मु ने कहा, उदाहरण के लिए गहराई संबंधी प्रतिबंधों के कारण कई मालवाहक जहाजों को पास के विदेशी बंदरगाहों की ओर मोड़ दिया जाता है। व्यापारिक और नागरिक जहाज निर्माण उद्योग में हमें दक्षता, प्रभावशीलता और प्रतिस्पर्धा के उच्चतम मानकों का लक्ष्य रखना होगा।

उन्होंने कहा कि भारतीय बंदरगाहों की परिचालन दक्षता और (जहाजों के) लौटने के समय के वैश्विक औसत मानक से मेल खाने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि जब वार्षिक पत्तन की बात आती है तो देश शीर्ष 20 देशों में शामिल नहीं होता है। दुनिया भर के 50 सर्वश्रेष्ठ कंटेनर बंदरगाहों की सूची में भारत के केवल दो ही ऐसे बंदरगाह हैं।

सतत हरित ग्रह समय की मांग: राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि सतत हरित ग्रह समय की मांग है जबकि ब्लू इकोनॉमी सभी के लिए प्रचुर धन और लाभ लाती है। श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को यहां शहर के बाहरी इलाके में ईसीआर में भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय (आईएमयू) के आठवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, 'ब्लू इकोनॉमी हमारे लिए प्रचुर धन और लाभ लाती है जबकि समय की मांग एक टिकाऊ हरित ग्रह है।'

राष्ट्रपति ने स्नातकों को याद दिलाया, 'पृथ्वी, जल और वायु हमारे माता-पिता का उपहार नहीं बल्कि हमारे बच्चों का ऋण है। स्नातकों को हमारे देश को गौरवान्वित करना चाहिए और हमेशा कृतज्ञता के साथ अपने मातृ संस्थान को याद रखना चाहिए।'

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि समुद्री प्रशिक्षण और शिक्षा में अपना उचित स्थान हासिल करने के बाद, आईएमयू को अब नेशनल रिसर्च फाउंडेशन के सहयोग से अपने अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र की तलाश करनी चाहिए। दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए और समुद्री कानून, महासागर प्रशासन और समुद्री विज्ञान आदि जैसे संबद्ध विषयों में अपनी विशेषज्ञता का विस्तार करने पर विश्वविद्यालय को शुभकामनाएं दी। दीक्षांत समारोह में, आईएमयू के छह परिसरों के साथ-साथ आईएमयू के संबद्ध संस्थानों के चार स्कूलों के 1,944 विद्यार्थी अपनी डिग्री प्राप्त की। कुल 245 विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत रूप से डिग्री प्राप्त की।

स्टालिन ने मुर्मू से तमिलनाडु के नीट विरोधी विधेयक को मंजूरी देने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से नीट (राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा) विरोधी विधेयक को मंजूरी देने का शुक्रवार को आग्रह किया।

मुर्मू भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय (आईएमयू) के आठवें दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए बृहस्पतिवार को यहां पहुंचीं थीं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया कि मुख्यमंत्री ने नीट के संबंध में राष्ट्रपति को हवाई अड्डे पर एक पत्र सौंपा। स्टालिन ने मुर्मू को लिखे पत्र में कहा कि तमिलनाडु स्नातक चिकित्सकीय डिग्री पाठ्यक्रम प्रवेश विधेयक, 2021' को मूल रूप से उसी वर्ष सितंबर में राज्य विधानसभा ने पारित कर दिया था, जिसे बाद में राज्यपाल आर एन रवि ने लौटा दिया।

उन्होंने कहा कि इसे फरवरी 2022 में विधानसभा द्वारा फिर से पेश एवं पारित किया गया और राज्यपाल के पास पुन: भेजा गया। इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए 'आरक्षित' रख लिया गया। राज्यपाल ने फिर इसे केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेज दिया था।

स्टालिन ने मुर्मू से कहा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय और आयुष मंत्रालय की टिप्पणियों के आधार पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विधेयक पर स्पष्टीकरण मांगे थे, जिनका जवाब शीघ्र ही दे दिया गया। हमारे जवाब देने के बाद भी कोई प्रगति नहीं हुई, इसलिए 14 अगस्त, 2023 को लिखे अपने पत्र में मैंने इस देरी के कारण वंचित छात्रों के लिए अवसर कम होने और कई छात्रों के आत्महत्या करने जैसे विभिन्न प्रतिकूल प्रभावों पर प्रकाश डाला था और आपसे बिना कोई देरी किए मंजूरी देने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा हाल में पूछे गए प्रश्नों का भी उत्तर दे दिया गया है।

स्टालिन ने कहा, लेकिन हमारे विधेयक को दुर्भाग्य से अभी तक मंजूरी नहीं मिल सकी है। इस परिदृश्य में, मैं एक बार फिर दोहराना चाहता हूं कि हमारे विधेयक को मंजूरी देने में अत्यधिक देरी करने से उन कई योग्य छात्रों का मेडिकल पाठ्यक्रम में दाखिला नहीं हो सका जो महंगी कोचिंग सुविधाएं नहीं ले सकते।

उन्होंने मुर्मू से कहा, इसलिए, मैं इस संवेदनशील मुद्दे में आपसे तत्काल हस्तक्षेप करने और विधेयक को जल्द से जल्द मंजूरी दिए जाने का आग्रह करता हूं।

स्टालिन ने सिंह से मनरेगा के तहत राशि जारी करने का किया आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने शुक्रवार को केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री गिरिराज सिंह से राज्य को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत करीब 2,696.77 करोड़ रुपये जारी करने का आग्रह किया।

गिरिराज सिंह को लिखे एक अर्ध आधिकारिक पत्र में, जिसकी प्रतियां यहां मीडिया को जारी की गईं, स्टालिन ने उनसे अकुशल श्रमिकों को नियमित रूप से अतिरिक्त धनराशि जारी करने का भी आग्रह किया और इस संबंध में उनके व्यक्तिगत हस्तक्षेप की मांग की। श्री स्टालिन ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण क्षेत्रों में सभी पंजीकृत परिवारों को रोजगार के अवसर प्रदान करने वाली महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है और यह एकमात्र योजना है जो ग्रामीण लोगों को आजीविका के अवसर प्रदान करती है और साथ ही गांव के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए और ग्रामीण लोगों की मांग पर बड़े स्तर पर टिकाऊ ग्रामीण संपत्तियां बनाती है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न मापदंडों के तहत महात्मा गांधी नरेगा के कार्यान्वयन में तमिलनाडु हमेशा शीर्ष प्रदर्शन करने वाला राज्य रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 92.86 लाख परिवारों को जॉब कार्ड जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से करीब 76.15 लाख परिवारों के लगभग 91.52 लाख श्रमिक नियमित रूप से मनरेगा कार्यों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।

स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु में कृषि दक्षिण-पश्चिम मानसून की वर्षा और पूर्वोत्तर मानसून की चक्रवाती बारिश पर बहुत अधिक निर्भर है, इसलिए उपरोक्त मानसून में से किसी एक में भी अनियमितता के कारण मनरेगा कार्यों की मांग बढ़ जाती है। उन्होंने कहा, 'विशेष रूप से, मनरेगा द्वारा महिला सशक्तिकरण को महसूस किया गया है, क्योंकि अधिकांश कार्यबल महिलाएं हैं और उनके बैंक खाते में मजदूरी जमा करने से उनकी वित्तीय स्थिति में काफी सुधार हुआ है।'

तमिलनाडु पुलिस ने पेट्रोल बम मामले में वीडियो फुटेज जारी की

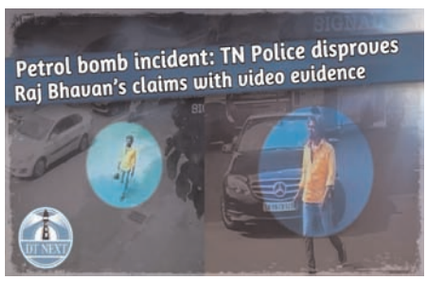

चेन्नई। तमिलनाडु पुलिस ने शुक्रवार को राजभवन पेट्रोल बम मामले से संबंधित वीडियो फुटेज जारी की और यह साबित करने का प्रयास किया कि इस घटना में केवल एक व्यक्ति, करुक्का विनोद शामिल था तथा समय रहते उस पर काबू पा कर जान-माल के नुकसान को रोक लिया गया। यहां एक संवाददाता सम्मेलन में, पुलिस महानिदेशक शंकर जीवाल और पुलिस आयुक्त, ग्रेटर चेन्नई, संदीप राय राठौड़ ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जारी की। फुटेज में आरोपी तालुक कार्यालय रोड पर लिटिल माउंट प्वाइंट से सरदार पटेल रोड की ओर अकेले चलते नजर आ रहा है। इसी मार्ग पर राजभवन स्थित है।

जब वह राजभवन के मुख्य द्वार के विपरीत दिशा में तालुक कार्यालय-सरदार पटेल रोड चौराहे पर पहुंचा, तो फुटेज में सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी भी नजर आ रहे थे, जो उसे पेट्रोल बम फेंकने से रोकने और अंततः उस पर काबू पाने के लिए सभी तरफ से सावधानीपूर्वक बढ़ रहे थे। फुटेज में हालांकि ऐसा लगा कि वह पेट्रोल बम फेंकने में कामयाब रहा जो राजभवन के मुख्य द्वार के निकट लगाए गए बैरीकेड से पहले ही गिर गया।

बाघ के नाखून वाले पेंडेंट पर विवाद : कन्नड़ बिग बॉस प्रतियोगी को जमानत, मंत्री के आवास पर तलाशी

बेंगलूरु। मशहूर हस्तियों के बाघ के नाखून से बने पेंडेंट पहनने पर चल रहे विवाद के सिलसिले में वन विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को कर्नाटक में अपनी तलाशी जारी रखी। अधिकारियों ने शुक्रवार को राज्य की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के बेलगावी शहर में स्थित आवास पर तलाशी ली। उनके बेटे मृणाल हेब्बालकर का बाघ के पंजे वाला पेंडेंट पहने फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था।

दूसरी ओर, कन्नड़ बिग बॉस के प्रतियोगी वर्तुर संतोष को बाघ के नाखून का पेंडेंट पहनने के मामले में शुक्रवार को बेंगलूरु के द्वितीय एसीजेएम कोर्ट ने जमानत दे दी। अदालत ने पहले उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। उन्हें बेंगलूरु में रियलिटी शो के सेट से गिरफ्तार कर सीधे जेल भेज दिया गया क्योंकि प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि संतोष ने बाघ के पंजे से बना पेंडेंट पहना हुआ था। लक्ष्मी हेब्बालकर ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि उनके बेटे मृणाल को जो पहना हुआ देखा गया था वह किसी के द्वारा उपहार में दिया गया प्लास्टिक का बाघ के पंजे वाला पेंडेंट था। उन्होंने कहा, मैं शुद्ध शाकाहारी हूं। मेरे घर पर वन्य जीवन से संबंधित कोई भी चीज़ मिलना असंभव है। बाघ, मोर को मारना तो दूर की बात है; मैं भेड़, मुर्गी और गाय की हत्या का विरोध करती हूं। वन विभाग के अधिकारियों ने हेब्बलकर के आवास का निरीक्षण किया और उनके बेटे मृणाल द्वारा पहना गया पेंडेंट ले लिया। अधिकारी पेंडेंट को परीक्षण के लिए एफएसएल भेजेंगे। मंत्री ने कहा, बाघ हमारा राष्ट्रीय पशु है। मेरे जैसे जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति और आम लोगों के लिए एक ही कानून है। मैं बाघ बचाओ अभियान को अपना पूरा समर्थन देती हूं। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने अपने घरों में हिरण के सींग, बाघ के पंजे जमा कर रखे होंगे। सरकार और वन विभाग को इन्हें जब्त करना चाहिए और लोगों में जागरूकता पैदा करनी चाहिए। इस बीच, कलासा उपमंडल के उप रिजर्व वन अधिकारी दर्शन को एक शिकायत के बाद निलंबित कर दिया गया है।

डीएसी डेवलपर्स ने 'दक्षिण भारत के पहले' होम एक्सपीरियंस सेंटर का अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होम एक्सपीरियंस — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के प्रतिष्ठित डीएसी डेवलपर्स ने दक्षिण भारत के पहले होम एक्सपीरियंस सेंटर का अनावरण किया। कम्पनी ने मेदावक्कम और तांबरम में होम एक्सपीरियंस सेंटर लॉन्च किया है, जिसमें पूरी तरह से सुसज्जित घर शामिल हैं जो क्रॉस-सेक्शन में फर्श से छत तक सब उत्पादों को प्रदर्शित करते हैं ताकि खरीदार अच्छे से उनका देखकर व छूकर अनुभव व महसूस कर सके। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश वी. रामासुब्रमण्यम ने नवोन्मेषी केंद्रों का उद्घाटन किया। डीएसी डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक एस.सतीश कुमार ने होम एक्सपीरियंस सेंटर के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

चेन्नई/दक्षिण भारत। डीएसी डेवलपर्स प्रा.लि. ने मेदावक्कम और तांबरम में 'दक्षिण भारत के पहले' होम एक्सपीरियंस सेंटर लॉन्च किए हैं। इनमें पूरी तरह से सुसज्जित घर शामिल हैं, जो फर्श से लेकर छत तक सब कुछ प्रदर्शित करते हैं, ताकि खरीदार उन सामग्रियों का निरीक्षण और उन्हें छूकर महसूस कर सकें, जो उनके सपनों का घर बनाने में इस्तेमाल की जाती हैं।

उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश वी रामसुब्रमण्यन ने इनोवेटिव सेंटर्स का उद्घाटन किया। इनमें एक 1050 वर्ग फीट का एक्सपीरिएंस सेंटर और एक 800 वर्ग फीट का सेंटर, जो डीएसी डेवलपर्स की दो नई घोषित आवासीय परियोजनाओं डीएसी मेडेलियन, मेदावक्कम और डीएसी मार्शल, तांबरम की वास्तविक आवास इकाइयों पर आधारित हैं।

होम एक्सपीरियंस सेंटर के बारे में बताते हुए डीएसी डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक एस सतीश कुमार ने कहा, हमारे मूल सिद्धांत 3ई 'इंजीनियरिंग-केंद्रित नवाचार, ग्राहक एजुकेशन और ग्राहक एक्सपीरिएंस' पर आधारित हैं।

उन्होंने कहा कि नए अनावरण किए गए होम एक्सपीरियंस सेंटर इन सिद्धांतों के प्रतीक हैं। दक्षिण भारत में पहली बार इन्हें पेश करने पर हमें गर्व है। हमारे होम एक्सपीरियंस सेंटर की शुरुआत पारदर्शिता की एक नई पहल का प्रतिनिधित्व करती है, जो हमारे ग्राहकों का हम पर भरोसा मजबूत करती है।

खरीदारों के लिए होम एक्सपीरियंस सेंटर के लाभों पर उन्होंने कहा, हालांकि खरीदार हमेशा कीमतों की तुलना कर सकते हैं, लोकेशन का चयन कर सकते हैं और यहां तक कि मॉडल घरों का विजिट भी कर सकते हैं, लेकिन अब तक उन्हें इनमें इस्तेमाल की जाने वाली सामग्रियों और तत्वों के बारे में जानने का अवसर नहीं मिला। उन्हें केवल डेवलपर्स द्वारा दिए गए आश्वासनों पर निर्भर रहना पड़ता है। हमारे होम एक्सपीरियंस सेंटर उन्हें उनके सपनों के घर के हर घटक और चीज की गुणवत्ता और खूबियों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी देते हैं। अब वे घर खरीदने का फैसला लेने से पहले उसे परख सकते हैं और महसूस कर सकते हैं।

होम एक्सपीरियंस सेंटर में ग्यारह खंड हैं, जहां विजिटर्स विभिन्न तत्वों के क्रॉस-सेक्शन की जांच कर सकते हैं, जिनमें शीयर वॉल्स, कॉलम, बीम, दरवाजे, खिड़कियां, फर्श, स्विच बॉक्स, प्लंबिंग शाफ्ट के साथ ही हैंड-रेल्स, बालकनी फर्श जैसे बाहरी घटक शामिल हैं।

शादाब खान के सिर में चोट लगी, उसामा बने कन्कशन सब्स्टीट्यूट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पाकिस्तान के ऑल राउंडर शादाब खान के सिर में शुक्रवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व कप मैच के दौरान चोट लग गयी। उनकी जगह स्पिनर उसामा मीर को 'कनकशन सब्स्टीट्यूट' के रूप में लिया गया। दक्षिण अफ्रीका की पारी के पहले ओवर में क्विंटन डिकॉक को रन आउट करने के प्रयास में शादाब चोटिल हो गए। उन्होंने तुरंत ही उपचार की जरूरत थी।

जब वह जमीन पर निश्चल पड़े थे तब स्ट्रेचर पर उन्हें वापस ड्रेसिंग रूम ले जाया गया। इसके बाद वहां कुछ समय के लिए मैदान पर उतरे लेकिन फिर पूरे मैच से बाहर हो गए। उनकी जगह मीर को कनकशन सब्स्टीट्यूट' के रूप में टीम में शामिल किया गया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बयान में कहा, पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे मैच में शादाब खान के स्थान पर 'कनकशन सब्स्टीट्यूट' लिया है। शादाब की जगह उसामा मीर ने ली है।

सिद्दरामैया ने कर्नाटक की उपेक्षा के लिए प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना की

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शुक्रवार को कर्नाटक राज्य की उपेक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। यह वर्ष कर्नाटक के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि हम अपने प्रिय राज्य का नाम बदलने के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। 1 नवंबर को कन्नड़ राज्योत्सव खुशी, गर्व और सामूहिक उत्सव का समय होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा, हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 9.5 वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा की गई उपेक्षा और उदासीनता की छाया हमारी उत्सव की भावना को कम कर देती है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक हैश टैग मोदी आपको जवाब देना होगा भी शुरू किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने समृद्ध इतिहास और भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान के साथ कर्नाटक खुद से एक दर्दनाक सवाल पूछ रहा है: कर्नाटक के लिए कोई प्यार क्यों नहीं? उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा की केंद्र सरकार के तहत कर्नाटक की आकांक्षाएं और जरूरतें लगातार कमजोर होती दिख रही हैं। उन्होंने कहा, भारत के खजाने में महत्वपूर्ण योगदान देने के बावजूद, हमारे राज्य को धन से लगातार इनकार का सामना करना पड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाएं बिना समर्थन के रह गई हैं, जबकि हमारे प्रतिष्ठित सार्वजनिक उपक्रमों को बंद होने का खतरा है। हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उदासीनता का सामना करना पड़ा है, और महत्वपूर्ण नदी जल मुद्दे अनसुलझे हैं। इसके अलावा, प्राकृतिक आपदाओं के समय भयावह चुप्पी और सहायता की कमी बेहद चिंताजनक है। मुख्यमंत्री ने कहा, हमें बदलाव की उम्मीद है, खासकर जब हम कन्नड़ राज्योत्सव के करीब पहुंच रहे हैं। यह एक ऐसा समय है जब कर्नाटक की भावना सबसे अधिक चमकती है, और हम लोग

अशोक गहलोत ने कॉलेज के विद्यार्थियों को मुफ्त में लैपटॉप देने और अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा की गारंटी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को जनता के लिए पांच और गारंटी की घोषणा की जिसमें सरकारी कॉलेज में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को मुफ्त में लैपटॉप देना और हर विद्यार्थी को अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा देना शामिल है। गहलोत ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की दोबारा सरकार बनने पर सभी गारंटी को पूरा किया जाएगा। राज्य में विधानसभा की 200 सीट के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा जबकि मतगणना तीन दिसंबर को होगी।

इन गारंटी में सरकारी कॉलेज के पहले साल के विद्यार्थियों को मुफ्त में लैपटॉप या टैबलेट देना, प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान से पीड़ित हर परिवार को 15 लाख रुपए तक की मुफ्त बीमा राहत देना, हर विद्यार्थिक के लिए अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा देना सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) कानून लाना और गोवंश पालकों से दो रुपये प्रति किलो के हिसाब से गोबर की खरीद करना शामिल है। उल्लेखनीय है कि गहलोत ने दो गारंटी की घोषणा बुधवार को झुंझुनूं में प्रियंका गांधी वाद्रा की जनसभा में की थी। इनमें 1.05 करोड़ परिवारों के लिए 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर देना तथा परिवार की महिला मुखिया को किश्तों में 10,000 रुपये की वार्षिक सम्मान राशि देना शामिल है। गहलोत ने कहा कि आने वाले दिनों में पार्टी का चुनाव घोषणापत्र जारी किया जाएगा जिसमें और भी घोषणाएं की जाएंगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर तंज कसने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री की उस टिप्पणी का जिक्र किया जिसमें उन्होंने कहा है कि 'ईडी देश में कुत्तों से ज्यादा घूम रही है।'

यहां मीडिया से बातचीत में गहलोत ने कहा,एक मुख्यमंत्री (भूपेश बघेल) को कहना पड़ा कि ईडी देश में कुत्तों से ज्यादा घूम रही है। इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है? गहलोत ने कहा, एक मुख्यमंत्री (भूपेश बघेल) को कहना पड़े कि ईडी देश में कुत्तों से ज्यादा घूम रही है .. यह दुर्भाग्य की बात है कि हमारी प्रमुख एजेंसियों सीबीआई, आयकर, ईडी के बारे में कहना पड़े कि कुत्तों से ज्यादा घूम रही है। उन्होंने कहा, ईडी के बारे में इस तरह की टिप्पणी पर आप विचार कर सकते हैं.. क्यों ऐसी टिप्पणी की गई। रोज तंग कर रहे हो, तो मुख्यमंत्री क्या करेगा... इसलिये हमने कहा कि लोकतंत्र खतरे में है और संविधान की धज्जियां उड़ रही हैं। उन्होंने कहा, आप (एजेंसियां) नौ साल से एक राजनीतिक हथियार बन गए हो... केवल विपक्षी पार्टियों के नेताओं के पास जाते हो। मोदी जी, आपके समझ में नहीं आ रहा... लेकिन देश के अंदर आपकी उलटी गिनती शुरू हो गई है।' गहलोत ने कहा कि ईडी ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को इसलिए निशाना बनाया क्योंकि वह राज्य सरकार की योजनाओं का खुलकर प्रचार कर रहे हैं। ईडी ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और दौसा के महवा से कांग्रेस विधायक के परिसर में कार्रवाई की थी।

ईडी की कार्रवाई पर बोले डोटासरा- ना डरे हैं, ना घबराएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनके आवासों की तलाशी लिए जाने के एक दिन बाद शुक्रवार को कहा कि वह इस तरह की कार्रवाइयों से ना तो डरे हैं और ना ही घबराएंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ईडी को बताना चाहिए कि इस तलाशी की कार्रवाई में क्या मिला। ईडी की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए डोटासरा ने यहां कांग्रेस के 'वार रूम' में कहा,''ना डरेंगे और ना घबराएंगे, कांग्रेस को जिताएंगे और राज्य में दोबारा कांग्रेस की सरकार बनाएंगे।''

राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होना है। कांग्रेस नेता ने कहा कि ईडी ने अपनी कार्रवाई के दौरान उनसे ना तो कोई सवाल पूछा, ना ही उनका बयान लिया, केवल उनका एक फोन ही ईडी ने जब्त किया। ईडी ने कथित तौर पर भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में अपनी जांच के तहत बृहस्पतिवार को डोटासरा के जयपुर और सीकर स्थित परिसरों की तलाशी ली। इस तरह की कार्रवाई को 'अघोषित आपातकाल' करार देते हुए डोटासरा ने कहा कि चुनाव के समय, भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ बोलने वाले कांग्रेस के नेताओं को डराने व परेशान करने के लिए यह सब किया जा रहा है और हम इसकी निंदा करते हैं।

डोटासरा के घर ईडी की कार्रवाई के खिलाफ अलवर में एनएसयूआई का प्रदर्शन

अलवर। राजस्थान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के घर पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को लेकर अलवर में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को मोदी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया। एनएसयूआई ज़िला अध्यक्ष सतीश पटेल के नेतृत्व में प्रदर्शन कर मोदी का पुतला फूंका गया। इस दौरान पटेल ने कहा कि डोटासरा के घर ईडी की कार्रवाई बहुत निंदनीय है। यह सब केंद्र सरकार के इशारे पर हुआ है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओ में खुद आपस में लड़ाई और गुटबाजी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए विकास कार्य केंद्र सरकार को रास नहीं आ रहा है।

सहकारिता रजिस्ट्रार मेघराज रत्नू और परिवार के नाम पर मिले कई बेशकीमती भूखंड, नकदी और जेवरात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। करप्शन को लेकर ईडी और एसीबी इन दिनों एक्शन में है। ईडी जहां पेपर लीक, योजना भवन, मनी लॉड्रिंग और जल जीवन मिशन जैसे मामलों को लेकर कांग्रेस नेताओं एवं उनसे जुड़े लोगों पर कार्रवाई कर रही है। वहीं राज्य की एजेंसी भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) अफसरों पर कार्रवाई कर रही है।

एसीबी ने शुक्रवार को प्रमोटी आईएएस और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार मेघराज सिंह रत्नू के जयपुर, अजमेर, श्रीगंगानगर, जैसलमेर और सीकर के ठिकानों पर तलाशी ली। क्योंकि एसीबी को रत्नू द्वारा आय से अधिक संपत्ति जुटाए जाने की आशंका है। सर्च ऑपरेशन हालांकि अभी जारी है। लेकिन, अब तक मिले दस्तावेजों से रत्नू द्वारा आय से अधिक संपत्ति जुटाए जाने की पुष्टि हो रही है। क्योंकि उनके खुद, पत्नी और पारिवारिक सदस्यों के नाम पर 5000 वर्ग गज से ज्यादा क्षेत्रफल के कई भूखंडों के दस्तावेज, लाखों रुपए की नकदी और सोने-चांदी के जेवरात मिले हैं।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि मेघराज सिंह रत्नू के गांव जैसलमेर जिले के बारठ का गांव बणियाणा, जयपुर में हल्दी घाटी प्रताप नगर स्थित राज आंगन निवास पर तलाशी में कई दस्तावेज मिले हैं। इनमें मेघराज रत्नू के नाम से शास्त्री नगर हाउसिंग स्कीम अजमेर में 600 वर्गगज का प्लॉट, जयपुर में अजमेर रोड स्थित महालक्ष्मी नगर में 422 वर्गगज का प्लॉट, शिव शक्ति नगर जगतपुरा जयपुर में 1020 वर्गगज का प्लॉट, शिव ऑफिसर क़ॉलोनी में 500 वर्गगज का प्लॉट और जयपुर में अजमेर रोड पर श्री सालासर ओवरसीज प्रा. लि. की बालाजी ब्लेसिंग में 904 वर्ग गज के भूखंड का पट्टा मिला है।

एडीजी हेमंत प्रियदर्शी के मुताबिक आईएएस मेघराज रत्नू की पत्नी मंजुला रत्नू के नाम जयपुर में अजमेर रोड स्थित महालक्ष्मी नगर में 422 वर्गगज का भूखंड, मालवीय नगर के त्रिमूर्ति कॉम्पलेक्स में 1242-1242 वर्गफीट के दो फ्लैट मिले हैं। इसी तरह रत्नू की पुत्री महीजा रत्नू के नाम से अजमेर रोड जयपुर स्थित महालक्ष्मी नगर में 422 वर्गगज के एक भूखंड का पता चला है।

जबकि रत्नू के भांजे महिपाल सिंह के नाम पर जयपुर में अजमेर रोड स्थित बालाजी बलेसिंग-3 में 500 वर्गगज के भूखंड का पट्टा और महिपाल सिंह एवं उसकी पत्नी मनीषा बारेठ के नाम से बालाजी ब्लेसिंग-3 में ही 1050 वर्गगज के दो प्लॉट के दस्तावेज मिले हैं।

दिया कुमारी को चुनाव में मिलने लगा विभिन्न समाजों का समर्थन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में आगामी 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में जयपुर के विद्याधरनगर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी और सांसद दिया कुमारी ने अपना चुनाव प्रचार अभियान तेज कर दिया और इस दौरान समाज के विभिन्न वर्गों से उन्हें भारी समर्थन मिलने लगा है।

अखिल भारतवर्षीय गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा की जयपुर जिला कार्यकारिणी ने शुक्रवार को बैठक कर मती दिया कुमारी को समर्थन देने का प्रस्ताव पारित किया। इस अवसर पर महासभा के जयपुर शहर अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद शर्मा ने कहा कि भाजपा ने दिया कुमारी जैसी कर्मठ नेता को विद्याधरनगर से अपना प्रत्याशी बनाया है, इसलिए अखिल भारतवर्षीय गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा ने उनका सर्मथन करने का निर्णय लिया है।

वैष्णव पटवा समाज सेवा समिति की जयपुर जिला कार्यकारिणी ने भी अध्यक्ष चिरंजीलाल पटवा की अध्यक्षता में एक बैठक कर सर्व-सम्मति से प्रस्ताव पारित कर मती दिया कुमारी को विधानसभा चुनावों में समर्थन दिया हैं। राजस्थान नाथ समाज ने भी मती दिया कुमारी को अपना समर्थन देने की घोषणा की है। राजस्थान नाथ समाज की जयपुर शहर जिला कार्यकारिणी ने इस संबंध में एक प्रस्ताव पारित किया हैं।

मती दिया कुमारी ने शुक्रवार को अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सदस्यों के साथ बैठक की और पूर्व सैनिकों के साथ भारतीय सेना के साहस और पराक्रम की सराहना की। महावीर चक्र से सम्मानित अपने पिता बिग्रेडियर भवानी सिंह को याद करते हुए उन्होंने कहा कि सेना का अनुशासन और साहस उनके लिए हमेशा से प्रेरणा का स्रोत रहे है। इससे पहले मती दिया कुमारी ने विद्याधर नगर विधानसभा के वार्ड संख्या छह में जनसंपर्क किया।

प्रधानमंत्री मोदी के लिफाफे पर टिप्पणी

प्रियंका गांधी को 30 तक देना होगा चुनाव आयोग को जवाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। कांग्रेस के चुनाव कैंपेन की कमान थामकर बार-बार राजस्थान आ रही प्रियंका गांधी की राह में निर्वाचन आयोग ने रोड़े अटकाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देवनारायण मंदिर में चढ़ाए लिफाफे को मुद्दा बनाने पर उन्हें आयोग का नोटिस मिला है। प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा दौसा में हुई जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की गई टिप्पणी पर चुनाव आयोग ने कारण बताओ नोटिस जारी कर 30 अक्टूबर की शाम तक नोटिस का जवाब देने को कहा है। निर्वाचन आयोग ने प्रियंका गांधी वाड्रा को यह नोटिस प्रधानमंत्री मोदी की मंदिर यात्रा से संबंधित उनकी 21 रुपए के लिफाफे पर टिप्पणी को लेकर जारी किया है।

इसके साथ ही आयोग ने कहा कि वोट हासिल करने के लिए जाति या सांप्रदायिक भावनाओं की अपील नहीं की जाएगी। मस्जिदों, चर्चों, मंदिरों या अन्य पूजा स्थलों का उपयोग चुनाव प्रचार के लिए मंच के रूप में नहीं किया जाएगा। पार्टियों और उम्मीदवारों को किसी के निजी जीवन के सभी पहलुओं की आलोचना से बचना चाहिए। यही नहीं नेताओं को असत्यापित आरोपों के आधार पर आलोचना से बचना चाहिए। भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने आयोग में प्रियंका के खिलाफ इस टिप्पणी को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। इस प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, अर्जुन राम मेघवाल, अनिल बलूनी और ओम पाठक समेत कई दिग्गज शामिल थे।

प्रियंका गांधी ने दौसा में विवादास्पद बयान में प्रधानमंत्री के भीलवाड़ा स्थित देवनारायण मंदिर में दिए दान का जिक्र किया था। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए मंच से कहा- आपने तो देखा ही होगा। मैंने टीवी पर देखा पता नहीं सच है कि नहीं... पीएम मोदी देवनारायण जी के मंदिर में शायद गए थे। उन्होंने लिफाफा डाला। मैंने टीवी पर देखा कि 6 महीने के बाद पीएम मोदी का दान किया गया लिफाफा खोला तो इसमें 21 रुपए मिले...एक तरह से यही हो रहा है। देश में घोषणाएं मंच पर खड़े होकर कैसे-कैसे लिफाफे दिखाएं जा रहे हैं। आपको और जब आप उन लिफाफे को खोलते हैं तो चुनाव खत्म हो जाता है। प्रियंका के इस बयान का भाजपा ने पुरजोर विरोध किया। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा था, हमने चुनाव आयोग से कहा कि 20 अक्टूबर को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने भाषण के दौरान एक बयान दिया और आचार संहिता का उल्लंघन किया... क्या प्रियंका गांधी आचार संहिता से ऊपर हैं?

प्रचार

जयपुर में शुक्रवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय से पार्टी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने चुनाव प्रचार हेतु एलइडी रथों को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए।इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

राम मंदिर के निर्माण से जुड़ने का अवसर पाकर खुद को सौभाग्यशाली मानते हैं मोहम्मद रमजान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मकराना। अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए संगमरमर की आपूर्ति करने वाले मकराना के एक प्रमुख व्यावसायी सेठ मोहम्मद रमजान खुद को इस बात के लिए सौभाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें मंदिर के निर्माण से जुड़ने का मौका मिला। राम मंदिर निर्माण के लिए ज्यादातर संगमरमर राजस्थान में मकराना के मुस्लिम व्यापारियों से खरीदा गया है और खदानों से संगमरमर निकालने वाली कंपनी भी मकराना के एक मुस्लिम उद्योगपति की है। इतना ही नहीं राम मंदिर के लिए डिजाइन तैयार करने से लेकर नक्काशी में जुटे अधिकांश कारीगर इसी समुदाय से हैं। राम मंदिर के लिए संगमरमर की आपूर्ति करने वाली कंपनी सेठ भाउद्दीन मार्बल प्राइवेट लिमिटेड के मालिक सेठ मोहम्मद रमजान ने 'पीटीआई भाषा' से बातचीत में कहा, मैं राम मंदिर तीर्थ ट्रस्ट और राम मंदिर निर्माण से जुड़ी कंपनी का आभारी हूं जिन्होंने हमें चुना। अयोध्या में राम मंदिर के लिए अधिकांश मार्बल (संगमरमर) यहीं से जा रहा है जो सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता का है। मेरी कंपनी सफेद संगमरमर की आपूर्ति कर रही है।

उन्होंने बताया कि रामलला मंदिर के गर्भगृह में संगमरमर लगाने का काम पूरा हो गया है और नवंबर तक पहली मंजिल का काम भी पूरा हो जायेगा। मोहम्मद रमजान ने कहा, हम डेढ़ साल से सफेद संगमरमर की आपूर्ति कर रहे हैं और नवंबर के अंत तक मंदिर में मार्बल की फिटिंग का काम पूरा हो जायेगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, हमने हजारों मंदिरों के निर्माण में योगदान दिया है लेकिन अयोध्या में रामलला के मंदिर के निर्माण का हिस्सा बनना अपने आप में अनूठा है। हम शुक्रगुजार हैं कि हमें यह सौभाग्य मिला। राजस्थान के छोटे से शहर मकराना के मुस्लिम व्यापारी न केवल संगमरमर की आपूर्ति कर रहे हैं बल्कि अयोध्या में मंदिर के डिजाइन में भी मदद कर रहे हैं । मकराना में मुस्लिम कारीगर राम मंदिर के लिए संगमरमर पर नक्काशी कर रहे हैं जिसका डिजाइन अहमदाबाद के वास्तुकार सोमपुरा चंद्रकांत ने तैयार किया है।

कंपनी के मुख्य शिल्पकार अब्दुल गनी अस्ताजी बताते हैं, हमारे यहां से करीब डेढ़ . दो वर्ष से सफेद संगमरमर अयोध्या जा रहा है। अहमदाबाद से सोमपुरा जी के यहां से नक्शा आता है और उसके आधार पर हम पत्थर पर नक्काशी करते हैं और फिर उसे अयोध्या भेजते हैं। अस्ताजी ने बताया कि वह वर्षो से राम मंदिर से जुड़े हैं और इसका हिस्सा बनकर उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है।

तेजस एक्सप्रेस से 10 किलो सोना करीब 6.62 करोड़ रुपए का और 26 लाख नकद जब्त किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा जंक्शन पर आरपीएफ की सीआईडी इंटेलिजेंस और क्राइम ब्रांच की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तेजस एक्सप्रेस ट्रेन से करीब 6.62 करोड़ रुपए का सोना और करीब 26 लाख रुपए नकदी जब्त की है।

टीम ने तीन संदिग्ध व्यक्तियों को भी हिरासत में लिया है। पूरा मामला गुरुवार देर रात का है। इस मामले में हिरासत में लिए गए दो व्यक्ति महाराष्ट्र के मुंबई के एक राजस्थान का निवासी है।

मंडल सुरक्षा आयुक्त नवीन कुमार ने बताया कि उन्हें मुखबिर और आरपीएफ इंटेलिजेंस के इनपुट से सूचना मिली थी कि बड़ी मात्रा में सोना ट्रेन नंबर 12954 निजामुद्दीन-मुंबई तेजस राजधानी एक्सप्रेस के जरिए ले जाया जाएगा। ऐसे में दिल्ली से ही आरपीएफ की विशेष टीम इस ट्रेन में सवार हो गई थी। पूरे ट्रेन में सर्च अभियान चलाया गया। इस दौरान ट्रेन में कुछ यात्री संदिग्ध पाए गए।

जैसे ही ट्रेन गुरुवार रात 10:30 बजे कोटा जंक्शन पर रुकी, यहां से सीआईडी इंटेलिजेंस और क्राइम ब्रांच की टीम ने संदिग्ध यात्रियों की जांच शुरू की। तलाशी में 10 किलो 700 ग्राम सोना और 500-500 के नोटों से भरी हुई गड्डियां बैग में मिली। गिनती होने पर यह 26 लाख रुपए नकदी पाए गए। सोने की कुल कीमत 6 करोड़ 61 लाख 59 हजार रुपए है।

उन्होंने बताया कि सोना अधिकांश जेवरात के रूप में था। इसके अलावा चेन और बिस्कुट भी इन आरोपियों के पास से मिले हैं। आरपीएफ की टीम ने इस दौरान तीनों यात्रियों महाराष्ट्र के मुंबई निवासी दिलीप भाई पुत्र देवसी, जितेंद्र भंवर और राजस्थान निवासी प्रीतेश को हिरासत में ले लिया। पूरी रात इन आरोपियों से आरपीएफ की विशेष टीमों ने पूछताछ की है। इस दौरान आला अधिकारी भी पहुंचे। यह आरोपी नकदी और सोने के बारे में संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाए हैं। ऐसे में तीनों को आयकर विभाग की टीम को सुपुर्द किया है।

भविष्य में जब भी वैश्विक खाद्यान्न संकट होगा, 'श्री अन्न' की उपयोगिता बढ़ेगी: आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/उप्र। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि 'श्री अन्न' का वैदिक काल से महत्व रहा है और भविष्य में जब भी दुनिया खाद्यान्न संकट का सामना करेगी तो इसकी (श्रीअन्न) उपयोगिता बढ़ेगी।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राज्यस्तरीय 'श्री अन्न' प्रदर्शनी एवं कार्यशाला की शुरुआत के बाद अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश श्री अन्न (मोटा अनाज) के उत्पादन का केंद्र बन सकता है। योगी ने कहा कि 'कोरोना काल ने हमें बड़ा सबक दिया है, हम जितना कृत्रिम जीवन जीने का प्रयास करेंगे, महामारियां हमें उतना ही परेशान करेंगी। हमें प्राकृतिक वास और जीवनशैली को अपनाना होगा और इसमें श्री अन्न बहुत ही सहायक होगा। इसकी उत्पादकता बढ़ाने के लिए शोध और अनुसंधान की आवश्यकता है।' मुख्यमंत्री ने इससे पहले तीन दिवसीय श्री अन्न महोत्सव की शुरुआत करते हुए प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्री अन्न उत्पादकों की ओर से लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

अपने संबोधन में योगी ने कहा कि 'कृषि के क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान के लिए कार्य कर रही उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के 34वां स्थापना दिवस पर अगले तीन दिन तक श्री अन्न महोत्सव का आयोजन हो रहा है। यह महोत्सव उप्र के किसानों के जीवन में व्यापक परिवर्तन का माध्यम बनेगा।' मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सदी के छठे और सातवें दशक तक बड़ी मात्रा में मोटे अनाज का उत्पादन होता था और ये हमारे दैनिक जीवन का अंग था। उन्होंने कहा कि बढ़ती आबादी की आवश्यकता और इस दिशा में शोध और अनुसंधान की गति थमने के कारण इसका उत्पादन कम होता गया।

उन्होंने कहा कि 'आज हमारा देश खाद्यान्न आत्मनिर्भरता में बहुत आगे बढ़ चुका है, मगर इसके दुष्प्रभाव भी पड़े हैं। रासायनिक उर्वरक के अत्यधिक उपयोग से तमाम रोग बढ़े हैं।' उन्होंने कहा कि 'श्री अन्न' का उत्पादन कम पानी वाले क्षेत्रों में भी होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह खुशी की बात है कि आज हर परिवार में श्री अन्न का किसी न किसी रूप में प्रयोग होना शुरू हो गया है।

गाजा में 3,000 मासूम बच्चों की हत्या हुई, इंसानियत कब जागेगी : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने गाजा में इजराइल की बमबारी में बच्चों समेत हजारों नागरिकों के मारे जाने पर दुख जताते हुए शुक्रवार को कहा कि हर अंतरराष्ट्रीय कानून कुचला गया है। उन्होंने यह सवाल भी किया कि आखिर इंसानियत कब जागेगी?

प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''गाजा में 7,000 मनुष्यों की हत्या के बाद भी रक्तपात और हिंसा का दौर थमा नहीं। इन 7,000 लोगों में से 3,000 मासूम बच्चे थे।'' उन्होंने दावा किया, ''कोई ऐसा अंतरराष्ट्रीय कानून नहीं, जिसे कुचला न गया हो। कोई ऐसी मर्यादा नहीं, जिसे तार-तार न किया गया हो। कोई ऐसा कायदा नहीं, जिसकी धज्जियां न उड़ी हों।'' उन्होंने सवाल किया, ''इंसानियत कब जागेगी? कितनी जानों के जाने के बाद। कितने बच्चों की बलि के बाद। क्या मनुष्य होने की चेतना बची है? क्या वह कभी थी भी?'' गाजा पट्टी पर कई दिनों से इजराइल की ओर से किए जा रहे हवाई हमलों में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। फलस्तीन के चरमपंथी संगठन हमास के हमले में अपने सैकड़ों नागरिकों के मारे जाने के बाद इजराइल ने गाजा पट्टी पर हवाई हमले शुरू किए।

भारत में एक करोड़ यात्री प्रतिदिन कर रहे हैं मेट्रो की सवारी: पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा कि भारत में प्रतिदिन एक करोड़ यात्री मेट्रो की सवारी कर रहे हैं।

पुरी ने 27-29 अक्टूबर तक यहां आयोजित 16वें 'अर्बन मोबिलिटी इंडिया' (यूएमआई) सम्मेलन एवं एक्सपो में अपने संबोधन में यह बात कही। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, भारत में लगभग 20 शहरों में मेट्रो प्रणालियों की परिचालन लंबाई 895 किलोमीटर है, और यह अगले कुछ वर्षों में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बनने को तैयार है।

केंद्रीय आवास और शहरी मामलों का मंत्रालय राष्ट्रीय राजधानी में 16वें 'अर्बन मोबिलिटी इंडिया' सम्मेलन एवं एक्सपो की मेजबानी कर रहा है। पुरी ने कहा कि भारत में प्रतिदिन एक करोड़ यात्री मेट्रो की सवारी कर रहे हैं, और उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि भविष्य में यह संख्या बढ़ सकती है।

मंत्रालय के विशेष कार्याधिकारी (शहरी परिवहन) जयदीप ने कहा कि भारत में विभिन्न मेट्रो प्रणालियों के प्रतिनिधि, परिवहन उपक्रम, पेशेवर और अन्य अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।

वीआरएस के जरिये पांडियन राजनीति में आसान रास्ते से आए : भाजपा सांसद सारंगी

भुवनेश्वर/भाषा। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी वी. के. पांडियन ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) में भले ही अभी औपचारिक रूप से शामिल नहीं हुए हैं लेकिन विपक्षी दल भाजपा की सांसद अपराजिता सारंगी ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व नौकरशाह ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) लेकर और '5 टी' तथा नवीन ओडिशा योजना के अध्यक्ष पद को संभालकर राजनीति में 'सॉफ्ट लैंडिंग' (परोक्ष रूप से प्रवेश) कर ली है। पांडियन 20 अक्टूबर को अपनी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की घोषणा करने से पहले मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के निजी सचिव थे। सारंगी ने दिल्ली से आने पर कहा, ''यह कुछ और नहीं, बल्कि पांडियन का राजनीति में आने का आसान रास्ता है। अपनी सेवानिवृत्ति के बाद, पांडियन ने खुद को 5टी (परिवर्तनकारी पहल) और नवीन ओडिशा योजना का अध्यक्ष नियुक्त किया। उन्होंने दोनों को, राज्य सरकार और सत्तारूढ़ बीजद को हाईजैक कर लिया और अपने लिए कैबिनेट मंत्री का दर्जा सुनिश्चित किया।''

छपरा शहर में धार्मिक शोभायात्रा के दौरान झड़प, इंटरनेट सेवा पर दो दिन तक पाबंदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के छपरा शहर में शुक्रवार को एक धार्मिक शोभायात्रा निकालने के दौरान दो पक्षों में झड़प होने का मामला समाने आया है। स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए राज्य के गृह विभाग ने दो दिनों के लिए इंटरनेट सेवा को निलंबित कर दिया है। पुलिस के अनुसार, सारण जिला के मुख्यालय छपरा के भगवान बाजार इलाके में यह झड़प तब हुई जब देवी दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए शोभायात्रा निकाली जा रही थी।

जिला पुलिस ने कहा, ''शोभायात्रा के दौरान पूरे जोर-शोर से संगीत बजाया जा रहा था। इसके विरोध में कुछ असामाजिक तत्वों ने शोभायात्रा में शामिल लोगों पर पथराव कर दिया। पुलिस के मौके पर पहुंचने और उसके द्वारा विसर्जन (प्रतिमाओं के विसर्जन) की जिम्मेदारी लेने के बाद स्थिति पर काबू पा लिया गया।'' प्रभावित इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है और आगे की कार्रवाई के लिए वीडियो फुटेज की मदद से उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। इस बीच, राज्य के गृह विभाग ने कहा कि उसे इनपुट मिले हैं कि प्रभावित क्षेत्रों में 'असामाजिक तत्व' आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करने के लिए इंटरनेट का उपयोग कर रहे थे, जो सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ सकता है और इसके परिणामस्वरूप जान-माल का नुकसान हो सकता है। विभाग ने कहा कि भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम के तहत राज्य सरकार की आपातकालीन शक्तियों के तहत रविवार शाम छह बजे तक इंटरनेट सेवाओं को निलंबित किया गया है। विभाग ने कहा कि प्रतिबंध छपरा के सदर अनुमंडल इलाके में प्रभावी रहेंगे, जहां इस अवधि के दौरान व्हाट्सऐप, फेसबुक, 'एक्स', स्नैपचैट, यूट्यूब, टेलीग्राम आदि के माध्यम से सभी प्रकार के संदेशों और सचित्र सामग्री को साझा करने पर रोक रहेगी।

विश्वभारती विवि पट्टिका विवाद

राज्यपाल ने हस्तक्षेप करते हुए दिया सुधार करने का आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/शांतिनिकेतन/भाषा। शांतिनिकेतन स्थित विश्वभारती विश्वविद्यालय में यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) 'विश्व धरोहर स्थल' का उल्लेख करने वाली पट्टिकाओं पर गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर का नाम अंकित न किए जाने को लेकर पश्चिम बंगाल में पैदा हुए विवाद के बीच ऐसा बताया जा रहा है कि राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने इस मामले में हस्तक्षेप किया है और कुलपति से स्पष्टीकरण मांगा है।

तृणमूल कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता, विश्वविद्यालय प्राधिकारियों द्वारा पूर्व में लगाई गई पट्टिकाओं के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए शुक्रवार को पूर्वाह्न 11 बजे से केंद्रीय विश्वविद्यालय के पास एकत्र हुए। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विश्वभारती विश्वविद्यालय में यूनेस्को 'विश्व धरोहर स्थल' का उल्लेख करने वाली पट्टिकाओं पर गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर का नाम अंकित न किए जाने पर बृहस्पतिवार को प्राधिकारियों की आलोचना की थी और इसके विरोध में प्रदर्शन किए जाने की घोषणा की थी।

मिर्जापुर में बस पलटने से पांच लोगों की मौत, 26 लोग घायल

मिर्जापुर (उप्र)/भाषा। मिर्जापुर जिले के संत नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को अनियंत्रित होकर एक बस के पलट जाने से पांच लोगों की मौत हो गयी और करीब 26 लोग घायल हो गये। एक प्रशासनिक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन और पुलिस अधीक्षक समेत कई वरिष्ठ अधिकारी घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंच गए और घायलों का इलाज कराने का निर्देश संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को दिया।

जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने बताया कि संत नगर थाना क्षेत्र के ग्राम ददरी बंधा के पास एक निजी बस अनियंत्रित होकर पलट गयी। उन्होंने कहा कि बस में कुल 31 लोग सवार थे जिसमें से पांच लोगों की मौत हो गयी और 26 लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार बस संत नगर से हलिया सवारियों को लेकर जा रही थी, लेकिन ददरी बंधा के पास वह अनियंत्रित होकर खाई में गिर पड़ी जिससे पांच लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों में चालक के अलावा दो महिलाएं और दो बच्चे भी शामिल हैं। मृतकों की पहचान ममता (26) निवासी बढ़ौना दुबार थाना लालगंज, जनपद मिर्जापुर और उनका बेटा अभिषेक (दो), मनीता (25) निवासी मतवार थाना हलिया तथा बस के चालक सत्यनारायण (40) और विष्णु कुमार (10) निवासी बाबू गोड़र दुबार थाना लालगंज, मिर्जापुर के रूप में हुई है।

ओडिशा में दो गुटों के बीच झड़प में कई लोग घायल

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के एक गांव में शुक्रवार तड़के दो समूहों के बीच हुई झड़प में कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक स्थिति को शांतिपूर्ण एवं सामान्य बनाने के लिए मंचेश्वर पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव में पुलिस की दो प्लाटून (पुलिस की टुकड़ी जिसमें 60 पुलिसकर्मी होते हैं) तैनात की गयी हैं। गांव के दो वार्ड के लोगों के बीच हुई इस मारपीट में कई लोग घायल हो गये। हालांकि, झड़प के पीछे का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन पुलिस को हिंसा के पीछे राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता होने का संदेह है। पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों के दो गुटों में पिछले पंचायत चुनाव के बाद से ही राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता चल रही थी। इसी के परिणामस्वरूप शुक्रवार तड़के दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर पथराव और बोतलें फेंकना शुरू कर दिया। झड़प में कुछ घर भी क्षतिग्रस्त हो गये।

विश्व कप 2019 सेमीफाइनल में रन आउट के बाद ही संन्यास का फैसला ले लिया था : धोनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। न्यूजीलैंड के खिलाफ 2019 विश्व कप सेमीफाइनल में रन आउट होकर महेंद्र सिंह धोनी का पवेलियन लौटना भारतीय क्रिकेट के इतिहास के सबसे निराशाजनक पलों में से एक है । उस मैच में 18 रन से हारकर भारत के विश्व कप से बाहर होने के चार साल बाद धोनी ने खुलासा किया कि यही वह पल था जब उन्हें स्पष्ट हो गया कि उनका अंतरराष्ट्रीय कैरियर खत्म हो गया है । मार्टिन गुप्टिल ने जब मैनचेस्टर में उस मैच में धोनी को रन आउट किया तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यह धोनी का भारत के लिये आखिरी मैच है।

धोनी ने हाल ही में बेंगलुरू में एक कार्यक्रम में कहा ,'' एक करीबी मुकाबले में जज्बात पर काबू रखना मुश्किल होता है, खासकर जब आप हार गए हो ।'' उन्होंने कहा ,'' मैने तय कर लिया था कि यह भारत के लिये बतौर क्रिकेटर मेरा आखिरी दिन है । उसके एक साल बाद मैने संन्यास की घोषणा की लेकिन मैने उसी दिन फैसला ले लिया था ।'' उन्होंने कहा ,'' हमें फिटनेस पर नजर रखने के लिये मशीनें दी जाती थी और जब भी मैं ट्रेनर को इसे लौटाने जाता तो वह कहते कि अभी अपने पास रखो । अब मैं उनसे कैसे कहता कि मुझे इसकी जरूरत नहीं है और होगी भी नहीं । उस समय तक मैने संन्यास का ऐलान नहीं किया था ।''

धोनी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने से देश का प्रतिनिधित्व करने का दुर्लभ मौका भी चला गया । उन्होंने कहा ,'' जब जज्बात हावी होते हैं तो आपको लगता है कि पिछले 12 या 15 साल में आपने एक ही काम किया है । क्रिकेट खेलना और फिर एक दिन आपके पास देश की नुमाइंदगी करने का मौका नहीं रह जाता ।'' उन्होंने कहा ,'' यह बहुत बड़ी बात है । इतने सारे लोगों में कुछ को ही देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलता है । आप कोई भी खेल खेलें लेकिन जब आप मैदान पर होते हैं तो अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहे होते हैं ।''

फुटबॉल कोच के साथ लूटपाट करने वाले दो बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नोएडा (उप्र)/भाषा। दिल्ली के रहने वाले फुटबॉल कोच की कार, मोबाइल और अन्य सामान हथियार के बल पर लूटने की वारदात में कथित रूप से शामिल दो बदमाशों को थाना एक्सप्रेसवे पुलिस ने शुक्रवार को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पुलिस द्वारा चलाई गई गोली एक बदमाश के पैर में लगी है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटी गई कार तथा अवैध हथियार बरामद किए हैं।

पुलिस उपयुक्त (जोन प्रथम) हरिश चंदर ने बताया कि 18 अक्टूबर को दिल्ली के रहने वाले फुटबॉल कोच ईशान थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में स्थित एक माल के पास आए थे और वहीं से देर रात को अज्ञात बदमाशों ने हथियार के बल पर उन्हें बंधक बनाकर, उनके साथ मारपीट की तथा उनकी कार, बटुआ और मोबाइल फोन आदि लूट लिए। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही पुलिस ने आज मुठभेड़ के बाद मोहित चौहान उर्फ लहरी तथा मुश्ताक खान उर्फ बादशाह को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी ने बताया कि अभियुक्त मोहित चौहान के खिलाफ लूटपाट सहित विभिन्न धाराओं में 31 मुकदमे दर्ज हैं जबकि मुश्ताक के खिलाफ तीन मामले दर्ज हैं।

असम सरकार के कर्मचारियों को दूसरी शादी करने से पहले इसकी अनुमति लेनी होगी : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों को दूसरी शादी करने से पहले इसकी पूर्व अनुमति लेनी होगी, भले ही उनका धर्म इसकी इजाजत क्यों न देता हो।

असम सरकार ने एक हालिया आदेश में अपने कर्मचारियों को उनके जीवनसाथी के जीवित रहने की स्थिति में दूसरी शादी करने से प्रतिबंधित किया है और ऐसा करने में संलिप्त पाये जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी। शर्मा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''यह एक पुराना परिपत्र है। असम सरकार का कोई कर्मचारी, हमारे सेवा नियमों के दृष्टिकोण से, दूसरी शादी करने का हकदार नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''यदि कुछ धर्म आपको दूसरी शादी करने की अनुमति देते हैं, तब भी नियमानुसार आपको राज्य सरकार की अनुमति लेनी होगी। अब, राज्य सरकार आपको अनुमति दे सकती है, नहीं भी दे सकती है।'' शर्मा ने कहा, ''हमें उन विवादों का हल करने में बहुत कठिनाई हुई है। कई विधवाएं परस्पर विरोधी दावों के कारण पेंशन से वंचित हो गई हैं। यह नियम पहले से था, हमने इसे लागू नहीं किया था। अब, हमने इसे लागू करने का निर्णय किया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति दूसरी शादी कर सकता है। उन्होंने कहा, ''लेकिन एक सरकारी कर्मचारी को दूसरी शादी करने से पहले राज्य सरकार की अनुमति लेनी पड़ेगी, चाहे वह हिंदू हो या मुसलमान। इसे राज्य सरकार की जानकारी में देना होगा।''

'आजसू पार्टी भाजपा के साथ मिलकर लड़ेगी चुनाव'

रांची/भाषा। ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) के प्रमुख सुदेश कुमार महतो ने कहा है कि उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। झारखंड की राजनीति में अहम स्थान रखने वाले महतो ने कहा कि 2024 के चुनाव में ''अहम बदलाव'' दिखाई देंगे और उनकी पार्टी चुनाव और निर्णायक नीतियों में जनभागीदारी के लिए ग्राम चौपाल स्तर तक पैठ सुनिश्चित करेगी।

महतो ने साक्षात्कार में कहा, ''भाजपा के साथ गठबंधन होगा'' लेकिन पूरा ध्यान विभिन्न स्तरों पर नेतृत्व तैयार करने पर होगा जिसकी राज्य के गठन के 20 वर्ष होने के बाद भी कमी है।'' उन्होंने कहा कि पार्टी की दीर्घकालिक मांग होगी कि विधानसभा की सीटें 81 से बढ़ाकर 160 की जाएं। राज्य में शिबु सोरेन तथा अर्जुन मुंडा सरकार में उप मुख्यमंत्री रहे महतो ने कहा कि झारखंड में सबसे मूलभूत बाधा है नेतृत्व की कमी। मेरा दृष्टिकोण ऐसा नेतृत्व तैयार करना है जिसमें सत्ता की नहीं बल्कि विकास की ललक हो... कहीं भी, जो भी परिवर्तन और विकास होता है वह उसके नेताओं के कारण होता है।

भारत ने सुल्तान जोहोर कप हॉकी में पाक के साथ 3-3 से ड्रा खेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोहोर बाहरू (मलेशिया)/भाषा। गत चैंपियन भारत ने दो बार पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को सुल्तान जोहोर कप जूनियर पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में शुक्रवार को यहां 3-3 से ड्रॉ पर रोका।

भारत की तरफ से अमनदीप लाकड़ा (30वें मिनट), आदित्य अर्जुन लालेज (56वें) और उत्तम सिंह (59वें) ने गोल करके टीम के लिए एक अंक सुनिश्चित किया। पाकिस्तान के लिए अरबाज अहमद (31वें, 58वें) और अब्दुल शाहिद (49वें) ने गोल किये। टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में दोनों टीमों ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन किया। दिसंबर में मलेशिया में होने वाले जूनियर विश्व कप से पहले यह टूर्नामेंट सभी टीमों के लिए कड़ी परीक्षा होगा। भारत को गोल करने का पहला मौका 12वें मिनट में मिला लेकिन अंगद बीर सिंह का शॉट निशाने पर नहीं लगा। पहले क्वार्टर में दोनों टीम ने बहुत अधिक आक्रामकता नहीं दिखाई लेकिन उनका रक्षण अच्छा रहा।

पाकिस्तान ने दूसरे क्वार्टर में दमदार शुरुआत की और पहले मिनट में ही पेनल्टी हासिल की लेकिन भारतीय टीम ने उसका अच्छा बचाव किया। भारत को भी इसके बाद पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया।

ड्रैग फ्लिकर अमनदीप ने हालांकि मध्यांतर से ठीक पहले भारत को बढ़त दिला दी लेकिन छोर बदलने के बाद पहले मिनट में ही अबराज अहमद ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर बराबर कर दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद हमलावर तेवर अपनाए। पूवाना बॉबी चंदूरा ने 39वें मिनट में गोल पर अच्छा शॉट लगाया लेकिन पाकिस्तानी गोलकीपर अली रजा ने उसे बचा लिया। तीसरे क्वार्टर के बाद स्कोर 1-1 से बराबरी पर था। पाकिस्तान के कप्तान अब्दुल शाहिद ने 49वें मिनट में भारतीय गोलकीपर मोहित को छकाकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। भारत ने इसके एक मिनट बाद पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन वह उसे गोल में नहीं बदल पाया। जब खेल समाप्त होने में पांच मिनट का समय बचा था तब भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर आदित्य ने रिबाउंड पर गोल किया।

अरबाज ने हालांकि जल्द ही पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके पाकिस्तान को फिर से आगे कर दिया। उत्तम ने अंतिम हूटर बजने से एक मिनट पहले मैदानी गोल करके भारत को बराबरी दिलाई।

भारत अपना अगला मैच शनिवार को मलेशिया से खेलेगा।

इस विश्व कप में तेज गेंदबाजों के लिये ज्यादा कुछ नहीं है : तस्कीन अहमद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। बांग्लादेश के गेंदबाज तस्कीन अहमद ने कहा कि इस विश्व कप में बल्लेबाजों की मददगार विकेट होने का उनकी टीम को खामियाजा भुगतना पड़ा है क्योंकि गेंदबाजों के प्रभावी नहीं होने का असर टीम के प्रदर्शन पर पड़ा है । लगातार चार मैच हारने के बाद बांग्लादेश सेमीफाइनल की दौड़ से लगभग बाहर है ।

तस्कीन ने नीदरलैंड के खिलाफ मैच से पहले कहा ,'' मैने इस विश्व कप में देखा कि गेंदबाजों के लिये कुछ नहीं है । यह बल्लेबाजों का मददगार विकेट है । सारे मैदान ऐसे ही हैं ।'' उन्होंने कहा ,'' भारत में बल्लेबाजों की मददगार विकेटों पर जिन टीमों की बल्लेबाजी में गहराई है, उन्हें ही फायदा मिल रहा है । भारत को छोड़कर उपमहाद्वीप की कोई टीम नहीं चल पा रही । जो टीमें बड़े स्कोर बना रही है, वे ही जीत रहीं हैं ।'' उन्होंने कहा ,'' इस तरह के हालात में बात रफ्तार की नहीं है । आपके पास विविधता और मैच जागरूकता भी होनी चाहिये।'' दक्षिण अफ्रीका से 149 रन से हारने के बाद बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन अपने निजी कोच से सलाह लेने ढाका चले गए । तस्कीन ने कहा कि इससे टीम भावना पर असर नहीं पड़ा है । उन्होंने कहा ,'' उसने कोई नियम नहीं तोड़ा है । यह विश्राम का दिन था और कोलकाता चूंकि ढाका से काफी करीब है तो वह क्रिकेट के सिलसिले में ही अनुमति लेकर गया है ।'' उन्होंने कहा ,''उसने वहां चार घंटे बिताये और फिर लौट आया । हम इसकी तारीफ करते हैं कि वह अपनी बल्लेबाजी को लेकर कितना फिक्रमंद है। उसके आने के बाद हमने साथ में डिनर किया। टीम का माहौल अच्छा है।'

सुविचार

हर कोई मुझे जिंदगी जीने का तरीका बताता है, उन्हें कैसे समझाऊ की कुछ काम अधूरे हैं, वरना जीना मुझे भी आता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कतर का 'रवैया'

भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को कतर की अदालत द्वारा मृत्युदंड सुनाए जाने का फैसला हैरान करने वाला है। भारत सरकार ने भी इसे बेहद 'स्तब्ध' करने वाला बताया है। उसने मामले में सभी कानूनी विकल्पों पर विचार करने का आश्वासन दिया है। उम्मीद है कि निकट भविष्य में इन लोगों के लिए राहत का कोई रास्ता खुलेगा और ये सकुशल स्वदेश लौटेंगे। कतर में करीब 8 लाख भारतीय काम कर रहे हैं। वे इस देश के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वहां कई कंपनियों के उच्च पदों पर भारतीय बैठे हैं। अगर यह कहा जाए तो ग़लत नहीं होगा कि भारतीय कर्मचारी कतर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। इनके लिए कहा जाता है कि ये अपने काम के जानकार, बड़े मेहनती और दृढ़ निश्चयी हैं। गंभीर किस्म के अपराधों में भारतीय कर्मचारियों का प्रतिशत तुलनात्मक रूप से बहुत कम है। कई लोग तो वहां दशकों से काम कर रहे हैं। वे कतर को अपना 'घर' समझते हैं। इस देश की अदालत का उक्त फैसला कहीं न कहीं इन सब लोगों को भावनात्मक रूप से भी प्रभावित करेगा। आठ भारतीय नागरिक, जिन्हें सजा सुनाई गई है, वे अल दाहरा कंपनी में काम करते थे और उन्हें पिछले साल जासूसी के कथित मामले में हिरासत में लिया गया था। यहां सबसे पहला सवाल तो यही है कि क्या इन लोगों ने जासूसी की थी? अपने देश में नौसेना की नौकरी से सेवानिवृत्ति के बाद ये लोग देश-दुनिया के सैन्य तौर-तरीकों, कानूनों से अच्छी तरह परिचित होंगे। क्या ये एक दूर देश में, जहां के वे नागरिक नहीं हैं, जहां लोगों के अधिकार बहुत सीमित हैं, जो कठोर सजाएं देने के लिए जाना जाता है, वहां जासूसी जैसा काम करने का जोखिम उठा सकते हैं; वह भी एक व्यक्ति नहीं, पूरे आठ? यह बात गले नहीं उतरती। कतर, सऊदी अरब, ईरान ... जैसे देशों में कार्यरत भारतीय बताते हैं कि वे बेहद सजग रहते हैं, ताकि भूल से भी ऐसी कोई ग़लती न हो जाए, जिससे उन्हें गंभीर खामियाजा भुगतना पड़े।

इन देशों में अपराधियों के हाथ काटने, गर्दन कलम करने, गोली मारने ... जैसे तरीकों से सजाएं दी जाती हैं, जिनके बारे में सोचकर ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो मौजूद हैं, जिनमें लोगों को ऐसी भयानक सजाएं देते देखा जा सकता है। कोई भी उच्च शिक्षित और अपने कार्यक्षेत्र का अनुभवी भारतीय, वहां जाकर ऐसे काम से तो दूर ही रहेगा, जिसे करने से जान गंवाने की नौबत आ जाए। भारत के जिन पूर्व नौसेना कर्मियों को सजाएं सुनाई गई हैं, उनमें कैप्टन, कमांडर, नाविक जैसी रैंक के अधिकारी हैं। कतर के अधिकारियों की ओर से इन पर लगाए गए आरोपों को सार्वजनिक नहीं किया गया है। जब हर स्तर पर इतनी ज्यादा 'गोपनीयता' बरती जा रही है तो इससे कई संदेह पैदा होते हैं। अगर कतर की अदालत ने इन्हें सजा सुना भी दी, तो क्या इन्हें अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया? आरोप जासूसी के लगाए गए हैं, (तो कथित आरोपों के अनुसार) वह सूचना किस स्तर की थी? क्या उससे कतर को जान-माल का कोई नुकसान हुआ है? ऐसे कई सवाल हैं, जिनके जवाब मिलने अभी बाकी हैं। नौसेना के इन पूर्व कर्मियों का रिकॉर्ड देखा जाए तो उसमें ऐसा कुछ नहीं मिलता, जिससे इन पर किसी आपराधिक गतिविधि में लिप्त होने का संदेह पैदा हो। भारत के विदेश मंत्रालय ने माना है कि इनका कार्यकाल बेदाग था और इन्होंने सैन्य बल में प्रशिक्षकों सहित महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य किया था। हाल के वर्षों में कतर का रुख भारत के प्रति खास दोस्ताना नहीं रहा है। भारत में एक टीवी कार्यक्रम की टिप्पणी के बाद कतर से सख्त बयान आने शुरू हो गए थे। वहां फीफा विश्व कप में एक धार्मिक उपदेशक की उपस्थिति पर भी विवाद छिड़ गया था, जो भारत में कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए विदेश भाग गया था। सात अक्टूबर को इजराइल-हमास भिड़ंत के बाद इजराइली विदेश मंत्री एली कोहेन ने कतर पर हमास की फंडिंग करने का आरोप लगाते हुए कहा था कि बंधक बनाए गए 200 से ज्यादा लोगों का भाग्य उसके (कतर के) अमीर के हाथों में था। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना को आतंकवादी हमला बताते हुए संवेदनाएं व्यक्त की थीं। उन्होंने कहा था कि हम इस कठिन समय में इज़राइल के साथ एकजुटता से खड़े हैं। क्या कतर के 'रवैए' की एक वजह यह भी है? नौसेना के इन पूर्व कर्मियों के परिवारों को भारत सरकार से बड़ी उम्मीदें हैं। उसे इन नागरिकों की सकुशल वापसी के लिए राजनयिक और कानूनी सहायता देते हुए दृढ़ता से प्रयास करने होंगे।

ट्वीटर टॉक

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी आप संवैधानिक पद पर रहते हुए और कितनी बार इस पद की गरिमा को खंडित करने का कार्य करेंगे। आप ने इस पद पर रहते हुए लोकतंत्र के चारों स्तंभों पर अनर्गल टिप्पणी करने का रिकॉर्ड बना दिया है।

-राजेन्द्र राठौड़

आपके ट्रस्ट द्वारा यहां ग्रामीण महिलाओं को ग्रामीण उद्योग की ट्रेनिंग भी दी जा रही है। ये महिला सशक्तिकरण के देश के प्रयासों को गति देने में मदद कर रहा है। मुझे ये जानकर खुशी होती है कि सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय आज देश और दुनिया में सेवा करके अपनी एक अलग जगह बना चुका है।

-नरेन्द्र मोदी

आज कांग्रेस ने राजस्थान को 7 गारंटी देकर जन-जन के बेहतर भविष्य का वादा किया। किसान, कर्मचारी, महिला, युवा एवं विद्यार्थी समेत हर वर्ग को राहत और तरक्की की गारंटी नंबर-1 राजस्थान की तस्वीर उकेर रही है।

-गोविंद सिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

ब्रह्मचर्य और धर्म

महान दार्शनिक कन्फ्यूशियस का जन्म 550 वर्ष ईसा पूर्व चीन के एक प्रान्त में हुआ। कन्फ्यूशियस की तमाम शिक्षाएं, गुत्थियों एवं जटिलताओं से कहीं दूर हैं। वे सभी को नैतिक आचरण की प्रेरणा देते थे। एक बार कन्फ्यूशियस के अनुयायी ने धर्म प्रचारक बनने के लिए आवश्यक अर्हता 'ब्रह्मचर्य' का व्रत लेने की इच्छा व्यक्त की। कन्फ्यूशियस ने अपने शिष्य से कहा, 'वत्स, मैंने ऐसे बहुत से साधु-संत देखे हैं, जिन्होंने अति उत्साह में साहस का परिचय देते हुए ब्रह्मचर्य के व्रत का संकल्प तो ले लिया, परंतु बाद में उसका पालन नहीं किया और कामुक वृत्ति के चलते व्रतभंग के दोषी हो गए। कामुक वृत्ति के साथ ब्रह्मचर्य धर्म की आड़ में व्यभिचार ही है। ब्रह्मचर्य का व्रत लेकर तोड़ने की अपेक्षा अच्छा यह है कि विवाहित जीवन स्वीकार किया जाये और पवित्रतापूर्वक ही धर्म कार्य किया जाये। विवाह संस्था में रहते हुए धर्म का पालना करना अधिक श्रेष्ठ और धर्म-सम्मत है।

सामयिक

बन्दूक-संस्कृति से दागदार होती अमेरिकी छवि

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

दुनिया में स्वयं को सभ्य एवं स्वयंभू मानने वाले अमरीका में बढ़ रही बंदूक संस्कृति' के साथ-साथ लोगों में बढ़ रही असहिष्णुता, हिंसक मनोवृत्ति और आसानी से हथियारों की सहज उपलब्धता का दुष्परिणाम बार-बार होने वाली दुखद घटनाओं के रूप में सामने आना चिन्ताजनक है। अमेरिका में एक हत्यारे ने गोलियां बरसाकर करीब 21 लोगों को मौत की नींद सुला दिया और कई को जख्मी कर दिया है। तीन स्थानों पर गोलीबारी करने के बाद हत्यारा घटनास्थल से भागने में सफल हुआ है। आश्चर्यकारी है कि दुनिया की सबसे दुरस्त एवं सक्षम अमेरिकी पुलिस एक हत्यारे को पकड़ने में इतनी लाचार हो गई कि उसे सहयोग के लिए आम लोगों से अपील करनी पड़ी। हिंसा की बोली बोलने वाला, हिंसा की जमीन में खाद एवं पानी देने वाला, दुनिया में हथियारों की आंधी लाने वाला अमेरिका अब खुद हिंसा का शिकार हो रहा है। अमेरिका की आधुनिक सभ्यता की सबसे बड़ी मुश्किल यही रही है कि यहां हिंसा इतनी सहज बन गयी है कि हर बात का जवाब सिर्फ हिंसा की भाषा में ही दिया जाने लगा। वहां हिंसा का परिवेश इतना मजबूत हो गया है कि वहां की बन्दूक-संस्कृति से वहां के लोग अपने ही घर में बहुत असुरक्षित हो गए थे। अमेरिका को अपनी बिगड़ती छवि के प्रति सजग होना चाहिए क्योंकि यह एक बदनुमा दाग है जो उसकी अन्तर्राष्ट्रीय छवि को आघात लगा रहा है।

दुनिया में बंदूक की संस्कृति को बल देने वाले अमेरिका के लिये अब यह खुद के लिये एक बड़ी समस्या बन चुकी हैं। अमेरिका घृणा, अपराध, हिंसा और बंदूक संस्कृति के गढ़ के रूप में पहचान बना रहा है। किसी सिख या किसी मुस्लिम बच्चे की हत्या हो या किसी अश्वेत पर बर्बरता, अमेरिका की स्थिति लगातार निंदनीय, डरावनी एवं असंतुलित होती जा रही है। कोई भी सामान्य सा दिखने वाला आदमी हथियार लेकर आता है और अनेक लोगों की जान ले लेता है। नवीनतम घटना 25 अक्तूबर को देर रात एंड्रोस्कोगिन काऊंटी' के अंतर्गत पडने वाले लेविस्टन में हुई, इस हादसे का सबसे खराब पहलू यह है कि अनेक लोग भगदड़ की वजह से घायल हुए तो अनेक हत्यारे की गोलियों से गहरी नींद सो गये हैं। नरसंहार के कथित आरोपी 40 वर्षीय रॉबर्ट कार्ड को पुलिस ने हथियारबंद और खतरनाक व्यक्ति माना है, पर सवाल है कि क्या वह रातों-रात हत्यारा एवं हिंसक हुआ है? हत्यारा रॉबर्ट कार्ड अमेरिकी सेना से जुड़ा रहा है और आग्नेयास्त्र प्रशिक्षक है। मानसिक अस्वस्थता एवं मनो विकारों से ग्रस्त हत्यारे के खिलाफ अनेक शिकायतें पहले भी मिल चुकी थी, प्रश्न है कि उन्हें क्यों नहीं गंभीरता से लिया गया। अमेरिका में आए दिन ऐसी खबरें आती रही कि किसी सिरफिरे ने अपनी बंदूक से कहीं स्कूल में तो कभी बाजार में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उसमें नाहक ही लोग मारे गए। अब तो अमेरिकी बच्चों के हाथों में भी बन्दूकें हैं। इसके पीछे एक बड़ा कारण वहां आम लोगों के लिए हर तरह के बंदूकों की सहज उपलब्धता है और इन बन्दूकों का उपयोग मामूली बातों और उन्मादग्रस्त होने पर अंधाधुंध गोलीबारी में होता रहा है, जो गहरी चिन्ता का कारण बनता रहा। आम जन-जीवन में किसी सिरफिरे व्यक्ति की सनक से किसी बड़ी अनहोनी का अन्देशा हमेशा वहां बना रहता है, वहां की आस्थाएं एवं निष्ठाएं इतनी जख्मी हो गयी कि विश्वास जैसा सुरक्षा-कवच मनुष्य-मनुष्य के बीच रहा ही नहीं। साफ चेहरों के भीतर कौन कितना बदसूरत एवं उन्मादी मन समेटे है, कहना कठिन है। अमेरिका की हथियारों की होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। अब तो दुनिया के साथ-साथ अमेरिका स्वयं ही इन हथियारों एवं हिंसक मानसिकता का शिकार है। दरअसल, अमेरिका अपने यहां नफरत, मानसिक असंतुलन, विद्रोह एवं असंतोष रोकने के अभियान में नाकाम हो रहा है। एफबीआई की वार्षिक अपराध रिपोर्ट रेखांकित करती है कि बंदूक संस्कृति एवं इससे जुड़ी हिंसा बहुत व्यापक हो गई है। पिछले साल अमेरिका में लगभग पांच लाख हिंसक अपराधों में बंदूकों का इस्तेमाल किया गया था। वर्ष 2020 में बंदूक संस्कृति अमेरिकी बच्चों की मौत का मुख्य कारण बन गई और 2022 में हालात और बदतर हो गए। जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या 12 प्रतिशत बढ़ गई। इन हालातों में अमेरिका किस तरह दुनिया का आदर्श बन सकता है। जबकि दुनिया अमेरिकी संस्कृति का अनुसरण करती है, वहीं अमेरिका तमाम देशों की सामाजिक व मानवाधिकार रिपोर्ट जारी करता है। अमेरिका अगर अपनी कथनी-करनी का भेद मिटाने की ओर बढ़े, तो उसके साथ-साथ दुनिया को ज्यादा फायदा होगा।

राजनीतिक प्रेक्षकों के अनुसार अमरीका में बंदूक संस्कृति' बढ़ाने में वहां की नकारात्मक राजनीति की बड़ी भूमिका है। आम जनता तो हथियारों पर अंकुश लगाने के पक्ष में है परंतु अपने निहित स्वार्थों के कारण अमरीका में हथियारों को बढ़ावा देने वाली वहां की सशक्त हथियार लॉबी और राजनीति से जुड़े लोग इस पर अंकुश नहीं लगने देते। जब भी बंदूक संस्कृति पर नियंत्रण करने की बात उठती है तो हथियार रखने के संवैधानिक अधिकार की कट्टर समर्थक मानी जाने वाली रिपब्लिकन पार्टी' के नेता और उनके समर्थक इसके विरोध में उतर आते हैं जिनके सामने डैमोक्रेटिक पार्टी बेबस होकर रह जाती है। पिछले साल जून में भारी तादाद में लोगों ने सड़कों पर उतर कर बंदूकों की खरीद-बिक्री से संबंधित कानून को बदलने की मांग की। जरूरत इस बात की है कि इस समस्या के पीड़ितों को राहत देने के साथ-साथ बंदूकों के खरीददार से लेकर इसके निर्माताओं और बेचने वालों पर भी सख्त कानून के दायरे में लाया जाए। विडम्बना देखिये कि अमेरिका दुनिया का सबसे अधिक शक्तिशाली और सुरक्षित देश है लेकिन उसके नागरिक सबसे अधिक असुरक्षित और भयभीत नागरिक हैं। वहां की जेलों में आज जितने कैदी हैं, दुनिया के किसी भी देश में नहीं हैं। ऐसे कई वाकये हो चुके हैं कि किसी रेस्तरां, होटल या फिर जमावड़े पर अचानक किसी सिरफिरे ने गोलीबारी शुरू कर दी और बड़ी तादाद में लोग मारे गए।

खुद सरकार की ओर से कराए गए एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया था कि अमेरिका में सत्रह साल से कम उम्र के करीब तेरह सौ बच्चे हर साल बंदूक से घायल होते हैं। अमेरिकी प्रशासन को बंदूक संस्कृति' ही नहीं बल्कि हथियार संस्कृति पर भी अंकुश लगाना होगा, अब तो दुनिया को जीने लायक बनाने में उसे अपनी मानसिकता को बदलना होगा। किसी भी संवेदनशील समाज को इस स्थिति को एक गंभीर समस्या के रूप में देखना-समझना चाहिए। यह बेवजह नहीं है कि जिस अमेरिका में ज्यादातर परिवारों के पास अलग-अलग तरह की बंदूकें रही हैं, वहां अब इस हथियार की संस्कृति के खिलाफ आवाजें उठनी शुरू हो गई हैं। देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार अमेरिका की आंखे खुले तो अमेरिका के साथ दुनिया को एक शांति एवं अहिंसा का सन्देश जायेगा।

मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वछन्द हो जाते हैं। मूड ठीक नहीं' की स्थिति में घटना सिर्फ घटना होती है, वह न सुख देती है और न दुःख। ऐसी स्थिति में आदमी अपनी अनंत शक्तियों को बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। ऐसे लोगों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे लोगों में मान-मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। अमेरिकी नागरिकों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार हो जाते हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक बन्दूकों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं।

मंथन

महर्षि वाल्मीकि ने की थी दुनिया में पहले श्लोक की रचना

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9034304041.

'रामायण' के रचयिता महर्षि वाल्मीकि के अनुपम संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हर साल अश्विन मास की पूर्णिमा के दिन वाल्मीकि जयंती मनाई जाती है, जो इस वर्ष 28 अक्तूबर को मनाई जा रही है। मान्यता है कि महर्षि वाल्मीकि के सम्मान में उनकी जयंती रामायण काल से ही मनाई जा रही है। सनातन धर्म के प्रमुख ऋषियों में से एक महर्षि वाल्मीकि की संस्कृत में लिखी गई रामायण को सबसे प्राचीन ग्रंथ माना जाता है। संस्कृत के प्रथम महाकाव्य रामायण' की रचना करने के कारण ही उन्हें आदिकवि' कहा जाता है। वाल्मीकिकृत रामायण समूचे विश्व में वेद तुल्य विख्यात है, जो 21 भाषाओं में उपलब्ध है और सनातन धर्म मानने वालों के लिए पूज्यनीय है। राष्ट्र की अमूल्य निधि रामायण का एक-एक अक्षर अमरता का सूचक और महापाप का नाशक है। वाल्मीकिकृत रामायण को ज्ञान-विज्ञान, भाषा ज्ञान, ललित कला, ज्योतिष शास्त्र, आयुर्वेद, इतिहास और राजनीति का केंद्र बिंदु माना जाता है। यह महाकाव्य जीवन के सत्य और कर्तव्य से परिचित कराता है। महर्षि वाल्मीकि ने इसमें कई स्थानों पर सूर्य, चंद्रमा और नक्षत्रों की सटीक गणना की है। इस रामायण को वैदिक जगत का सर्वप्रथम काव्य माना जाता है, जिसमें कुल चौबीस हजार श्लोक हैं। माना जाता है कि महर्षि वाल्मीकि ने ही इस दुनिया में पहले श्लोक की रचना की थी। यही श्लोक संस्कृत भाषा का जन्मदाता है। विभिन्न पौराणिक कथाओं में वर्णित है कि महर्षि वाल्मीकि का नाम रत्नाकर था। वह अपने परिवार का पेट पालने के लिए लोगों को लूटा करते थे। निर्जन वन में एक बार उनकी भेंट नारद मुनि से हुई। उन्होंने नारद को बंदी बनाकर लूटने का प्रयास किया। तब नारद ने पूछा कि तुम ऐसा निंदनीय कार्य आखिर करते क्यों हो?

रत्नाकर ने उत्तर दिया- अपने परिवार का पेट भरने के लिए। तब नारद मुनि ने उनसे पूछा कि जिस परिवार के लिए तुम इतने पाप कर्म करते हो, क्या वह तुम्हारे इस पाप कार्य में भागीदार बनने के लिए तैयार होंगे? इसका उत्तर जानने के लिए रत्नाकर नारद मुनि को पेड़ से बांधकर घर पहुंचे और एक-एक कर परिवार के सभी सदस्यों से पूछा कि मैं डाकू बनकर लोगों को लूटने का जो पाप करता हूं, क्या तुम उस पाप में मेरे साथ हो?

परिवार के सभी सदस्यों ने कहा कि आप इस परिवार के पालक हैं, इसलिए परिवार का पेट भरना तो आपका कर्तव्य है, इस पाप में हमारा कोई हिस्सा नही है। सभी से एक सा उत्तर सुनकर रत्नाकर उदास हुए और नारद मुनि के पास पहुंचकर उनके पैरों में गिर पड़े।

तत्पश्चात नारद ने रत्नाकर को सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने का ज्ञान दिया। रत्नाकर ने उनसे अपने पापों का प्रायश्चित करने का उपाय पूछा तो नारद मुनि ने उन्हें राम' नाम जपने की सलाह दी लेकिन रत्नाकर ने कहा कि मुनिवर! मैंने जीवन में इतने पाप किए हैं कि मेरे मुख से राम नाम का जाप हो ही नहीं पा रहा है। नारद मुनि ने उन्हें मरा-मरा' का जाप करने को कहा और इस प्रकार मरा-मरा' का जाप करते-करते रत्नाकर के मुख से अपने आप राम' नाम का जाप होने लगा। राम नाम में वह इस कदर लीन हो गए कि एक तपस्वी के रूप में ध्यानमग्न होकर वर्षों तक घोर तपस्या करने के कारण उनके शरीर पर चीटियों की बांबी लग गई।

नजरिया

गाँव धोरडो : ग्रामीण पर्यटन का वैश्विक केंद्र

डॉ रघुवीर चारण

भारत विश्व की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है जिसमें बहुरंगी विविधता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है।भारत की विविधता और प्राकृतिक सुंदरता दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी और आकर्षित करती है हमारे यहाँ उत्तर में हिमालय की मनमोहक वादियाँ व कश्मीर घाटी से लेकर दक्षिण में समुद्री तट व मुन्नार की खूबसूरती अद्भुत है वहीं पूर्व में कोणार्क सूर्य मंदिर से लेकर पश्चिम के रेगिस्तान तक सम्पूर्ण भारत अतुल्य है।

हालही में संयुक्त राष्ट्र के विश्व पर्यटन संगठन ने गुजरात के कच्छ जिले के छोटे-से गांव धोरडो को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पर्यटक गांवों की सूची में शामिल किया है वर्ष 2023 की इस सूची में 54 गाँव शामिल है जिसमें भारत के एकमात्र इस सुंदर गाँव ने अपनी जगह बनाई । ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त राष्ट्र संगठन द्वारा इसकी शुरुआत 2021 में की गई यह सम्मान उन गांवों को दिया जाता है जो ग्रामीण इलाकों के विकास और परिदृश्यों, सांस्कृतिक विविधता, स्थानीय मूल्यों और खान-पान परंपराओं के संरक्षण में अग्रणी हैं।

सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव पहल ग्रामीण विकास कार्यक्रम के लिए यूएनडब्ल्यूटीओ पर्यटन की प्रमुख परियोजना है। कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पर्यटन आय और विकास में क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने, जनसंख्या में गिरावट से लड़ने, लैंगिक समानता व महिला और युवा सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने, नवाचार और डिजिटलीकरण को आगे बढ़ाने, कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचे में सुधार, वित्त और निवेश तक पहुंच,को बढ़ाना शामिल है सयुंक्त राष्ट्र की यह वैश्विक योजना ग्रामीण पर्यटन के लिए परिवर्तनकारी होगी।

गुजरात राज्य के कच्छ जिले में सफ़ेद रेगिस्तान में स्थित छोटा सा गाँव धोरडो अपनी पारंपरिक कला व संस्कृति के बूते वैश्विक पर्यटन का केंद्र बना कच्छ के विशालकाय रण में बसा ये गाँव वार्षिक रण उत्सव के लिए प्रसिद्ध है प्रतिवर्ष यहाँ नवंबर से फरवरी तक करीबन चार माह तक रण महोत्सव का आयोजन होता है जिसमें विभिन्न मनोरंजन गतिविधियाँ व गुजराती पारंपरिक कला और संस्कृति का प्रदर्शन किया जाता है रण महोत्सव का आरम्भ 2005 में किया गया पहले ये तीन दिन का उत्सव होता था।

कच्छ के इस वीरान रण में एशिया की सबसे बड़ी टेंट सिटी की अस्थायी बसावट होती है जिसके अंदर की सुविधाएँ किसी भी शाही लवाजमे से कम नहीं होती धोरडो में विशेष प्रकार के घरों का निर्माण किया जिसे भूँगा कहते हैं भूँगा विशेष प्रकार की मिट्टी से बनाया गया जिसका तापमान ऋतु के अनुकूल रहता है साथ ही भूंकप प्रतिरोधी होते हैं घरों के ऊपर वहाँ की पारंपरिक कलाकृति भी देखने को मिलेगी आज इस स्मार्ट गाँव ने विश्व पर्यटन मानचित्र पर अपना नाम अंकित करवाया। वार्षिक रण उत्सव के दौरान भुजोली की हस्तशिल्प कला, कच्छी शॉल, बांधनी, पारंपरिक खानपान, गुजराती लोक साहित्य और संस्कृति की अनूठी झलक देखने को मिलती हैं।ग्रामीण पर्यटन में अव्वल धोरडो ने भारत की जी-20 अध्यक्षता के तहत प्रथम पर्यटन कार्य समूह की बैठक की मेजबानी की तथा गांव की अर्थव्यवस्था और क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के निर्माण पर पर्यटन बुनियादी ढांचे के विकास और रण उत्सव जैसी पर्यटन संवर्धन गतिविधियों की सकारात्मक पहल की। गुजरात टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए अमिताभ बच्चन द्वारा कही गई लाइन कच्छ नहीं देखा तो कुछ नहीं देखा वर्तमान में सही चरितार्थ हो रही है वर्ष 2001 में आए विनाशकारी भूकंप से तबाह हुए कच्छ क्षेत्र में आज पर्यटन से रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं।

भारत में पर्यटन की स्थिति पर नज़र डाले तो अतुल्य भारत अभियान ने भारतीय पर्यटन को वैश्विक मंच प्रदान किया भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है, जहां इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद (ऋऊझ) में 6.237 और भारत के कुल रोज़गार में 8.787 योगदान है। अब सालाना लाखों में विदेशी पर्यटक भारत की और रुख कर रहे हैं अब भारतीय पर्यटन विभाग द्वारा सुदूर ग्रामीण पर्यटन की अपार सम्भावनाओं को तलाशा जा रहा है जिसमें गाँव धोरडो ग्रामीण पर्यटन का बेहतरीन उदाहरण है । देश में ग्रामीण पर्यटन के विकास और प्रचार को बढ़ावा देना चाहिए क्योंकि ग्रामीण पर्यटन से गाँवों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और हमारी विरासत को नई ऊर्जा मिलेगी ग्रामीण पर्यटन में ग्रामीण भारत के आर्थिक विकास और सामाजिक परिवर्तन को प्रोत्साहित करने की उच्च क्षमता है इससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे व गाँवों की पारंपरिक स्थानीय कला और संस्कृति को वैश्विक पहचान मिलेगी।।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

तलाश

हरिद्वार में शुक्रवार को अधिकारियों द्वारा गंदगी हटाने के लिए गंगा सूखने के बाद लोग हर की पौड़ी पर गंगा में दान किए गए सिक्कों की तलाश करते हुए।

उच्च शिक्षा के लिए पंजाब, तेलंगाना और महाराष्ट्र से सबसे अधिक छात्र जाते हैं विदेश : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा

पंजाब, तेलंगाना और महाराष्ट्र देश के उन शीर्ष राज्यों में शुमार हैं, जहां से सबसे अधिक छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाते हैं। वहीं, जर्मनी, किर्गिस्तान, आयरलैंड, रूस और फ्रांस छात्रों के पसंदीदा स्थान के रूप में उभरे हैं जहां पर भारतीय छात्र जाकर पढ़ाई करना पसंद कर रहे हैं। एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ है।

'बेयॉण्ड बेऊस एंड बाउंड्रिज : इंडियन स्टुडेंट मोबिलिटी रिपोर्ट–2023' को वैश्विक शिक्षा संगोष्ठी में शुक्रवार को जारी किया गया। यह रिपोर्ट अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया पर विशेष ध्यान देने के साथ, विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भारतीय छात्रों की गतिशीलता पर भी प्रकाश डालती है। रिपोर्ट के मुताबिक, ''वर्ष 2019 में करीब 10.9 लाख भारतीय छात्र विदेश में पढ़ाई कर रहे थे।

इन आंकड़ों में 2022 में सात प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और विदेश पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों की संख्या बढ़कर 13.24 लाख हो गई। विदेश जाकर पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में मौजूदा 15 प्रतिशत की वृद्धि कायम रहती है, तो 2025 में अनुमान है कि ऐसे छात्रों की संख्या 20 लाख के करीब पहुंच जाएगी।''

रिपोर्ट में कहा गया है, ''पांरपरिक रूप से भारतीय छात्र अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों को प्राथमिकता देते हैं। हालांकि, हाल के समय में जर्मनी, किर्गिस्तान, आयरलैंड, सिंगापुर, रूस, फिलीपीन, फ्रांस और न्यूजीलैंड भी भारतीय छात्रों के पसंदीदा गंतव्यों के तौर पर उभरे हैं।''

भारत से विदेश जाकर पढ़ाई करने वाले छात्रों की राज्यवार संख्या के आधार पर पंजाब, तेलंगाना और महाराष्ट्र शीर्ष पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, विदेश जाकर पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों में पंजाब के 12.5 प्रतिशत, आंध्र प्रदेश/तेलंगाना के 12.5 प्रतिशत, महाराष्ट्र के 12.5 प्रतिशत, गुजरात के आठ प्रतिशत, दिल्ली/एनसीआर के आठ प्रतिशत, तमिलनाडु के आठ प्रतिशत, कर्नाटक के छह प्रतिशत और बाकी राज्यों के 33 प्रतिशत छात्र हैं। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि विदेश में जाकर पढ़ाई करने पर होने वाले खर्च में तेजी से वृद्धि होगी और 2025 में यह करीब 70 अरब अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा, ''वर्ष 2019 में, भारतीय छात्रों ने विदेश में शिक्षा पर अनुमानित 37 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च किए।

हम प्रौद्योगिकी की ताकत से डिजिटल 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' बनाएंगे

नई दिल्ली/भाषा

रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के चेयरमैन आकाश अंबानी ने शुक्रवार को कहा कि जियो ने दुनिया भर की तुलना में सबसे तेजी से 5जी सेवाओं का विस्तार किया और हर 10 सेकंड में एक 5जी सेल स्थापित कर रहा है। 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस' में अंबानी ने कहा कि जियो '' भारत में डिजिटल विभाजन को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए तैयार है।'' उन्होंने कहा कि 12.5 करोड़ से अधिक 5जी उपयोगकर्ताओं के साथ भारत आज शीर्ष तीन 5जी सक्षम देशों में से एक है। अंबानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व भारत और भारतीयों को एक साथ लाया और युवाओं सहित पूरे देश को प्रेरित और एकजुट किया है। उन्होंने कहा, '' हम आपसे वादा करते हैं कि प्रौद्योगिकी की शक्ति के जरिए हम एकता की एक डिजिटल प्रतिमा (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) का निर्माण करेंगे।'' अंबानी ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व ने देश को ऊर्जावान बनाया और कहा कि हर पीढ़ी को एक ऐसे दृष्टिकोण की जरूरत होती है जो महान काम करने के लिए प्रेरित करे। उन्होंने कहा, '' आपने मेरी पीढ़ी को हमारे देश को विकसित भारत में बदलने का एक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण दिया है।'' उन्होंने कहा, '' युवाओं की तरह आप भी नवाचार को अपनाते हैं, बदलाव का स्वागत करते हैं और यथास्थिति को चुनौती देते हैं। आप हमेशा नवीनतम प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने पर जोर देते हैं जो हमारे लोगों के जीवन को बेहतर बना सकती है।''

उन्होंने भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का हवाला दिया जिसने वैश्विक मान्यता प्राप्त की है और कहा कि डिजिटल क्रांति ने 1.4 अरब भारतीयों को जोड़ा है। 'सबका साथ सबका विकास' के आदर्श नारे ने यह सुनिश्चित किया कि विकास सभी तक पहुंचे, चाहे वह किसी भी क्षेत्र, धर्म या जाति का हो। 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' भारत के प्रथम प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल को समर्पित है। अंबानी ने इस बात को रेखांकित किया कि यह दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है और एकता की एक डिजिटल प्रतिमा बनाने का संकल्प किया।

भारत को 5जी प्रौद्योगिकी में विश्व नेता बनाने की प्रधानमंत्री मोदी की चुनौती को याद करते हुए अंबानी ने कहा कि जियो ने चुनौती को स्वीकार किया और वास्तव में काम किया। अंबानी ने कहा, '' आपकी चुनौती ने हमें ऊर्जावान बनाया और हमने जो हासिल किया है उसने दुनिया को स्तब्ध कर दिया है। दुनिया में सबसे तेजी से भारत में 5जी सेवाओं का विस्तार किया गया।

उन्होंने कहा कि देश की कुल 5जी क्षमता में केवल जियो का 85 प्रतिशत योगदान है... और दुनिया में सबसे तेज 5जी इंटरनेट स्पीड प्रदान करने वालों में से एक है। अंबानी ने कहा कि इसके अलावा जियो को 5जी पूरी तरह ने भारतीय प्रतिभा द्वारा तैयार, विकसित और निर्मित है। उन्होंने कहा, '' आपने हमें भारत को उच्च प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर बनने का आदेश दिया।

मंदिरों की समृद्ध स्थापत्य परंपराओं को प्रदर्शित करने के लिए अयोध्या में बनेगा संग्रहालय : सूत्र

नई दिल्ली/भाषा

भारतीय मंदिरों की समृद्ध स्थापत्य परंपराओं को प्रदर्शित करने के लिए अयोध्या में एक संग्रहालय बनाया जाएगा तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस सुझाव के बाद परियोजना के लिए 25 एकड़ जमीन की पहचान की गई है कि राम मंदिर आने वाले तीर्थयात्रियों का लंबे समय तक ठहराव सुनिश्चित करने के लिए शहर में परियोजनाएं शुरू की जानी चाहिए। मोदी ने यह सुझाव श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के वरिष्ठ पदाधिकारियों को दिया, जिन्होंने 22 जनवरी को निर्माणाधीन राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए मोदी को आमंत्रित करने के वास्ते 25 अक्टूबर को उनसे मुलाकात की थी। प्रधानमंत्री ने निमंत्रण स्वीकार करने के बाद कहा था कि वह धन्य महसूस कर रहे हैं कि वह इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनेंगे।

सूत्रों ने कहा कि इसी तर्ज पर अयोध्या में कई अन्य परियोजनाएं भी शुरू की जा रही हैं ताकि राम मंदिर के दर्शन के लिए शहर में आने वाले तीर्थयात्रियों को लंबे समय तक रहने के लिए पर्याप्त सुविधाएं मिल सकें।

सूत्रों ने बताया कि न्यास के सदस्यों के साथ बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने बताया कि भगवान में लोगों की आस्था उन्हें पवित्र स्थानों पर ला सकती है लेकिन यह जरूरी नहीं कि यह आस्था उनके लंबे समय तक रहने की गारंटी हो। उन्होंने अपने सुझाव देते हुए कहा कि अन्य प्रयासों से ही यह सुनिश्चित किया जा सकता है।

सूत्रों ने कहा कि मोदी का सुझाव अयोध्या में शुरू की जा रही कई परियोजनाओं के लिए प्रेरक शक्ति है और उनका विचार यह सुनिश्चित करना है कि शहर में आने वाले लोग न केवल मंदिर के दर्शन करें बल्कि अन्य आकर्षण देखने के लिए कुछ दिनों तक वहां रहें।

सूत्रों ने कहा, इसी तर्ज पर शुरू की जा रही एक प्रमुख परियोजना भारतीय मंदिरों की वास्तुकला को प्रदर्शित करने वाला संग्रहालय है जो देश भर के मंदिरों की समृद्ध स्थापत्य परंपराओं के विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित करेगा।

प्रदर्शन

नई दिल्ली में पेटा कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को विदेशी पशु प्रयोग से रीसस मैकाक प्रजाति के बंदरों की सुरक्षा के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह करते हुए एक प्रदर्शन के दौरान बंदर मुखौटा पहन कर प्रदर्शन करते हुए।

रोहित शेट्टी ने फिल्म 'सिंघम-3' की शूटिंग की झलक शेयर की

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड फिल्मकार रोहित शेट्टी ने अपनी आने वाली फिल्म 'सिंघम 3' की झलक सोशल मीडिया पर शेयर की है। रोहित शेट्टी इन दिनों फिल्म 'सिंघम 3' की शूटिंग में बिजी हैं। रोहित शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म 'सिंघम 3' की शूटिंग की दो तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि कार और ट्रक में आग लगी हुई नजर आ रही है। फिल्म की शूटिंग की तस्वीरों को शेयर करते हुये रोहित शेट्टी ने लिखा ,'वर्क इन प्रोग्रेस...' हैसटैग के साथ सिंघम अगेन लिखा हुआ है। फिल्म 'सिंघम 3' में अजय देवगन,करीना कपूर, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ नजर आएंगे। वहीं, इस फिल्म में रणवीर सिंह और अक्षय कुमार कैमियो रोल में नजर आएंगे।

सीमा हैदर की जिन्दगी पर बनी 'कराची टू नोएडा' का ट्रेलर जारी

नई दिल्ली/एजेन्सी

पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर की जिंदगी पर बन रही फिल्म 'कराची टू नोएडा' का ट्रेलर अब रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में सीमा के किरदार नाम सायमा हैदर रखा हुआ नजर आया है। जो एक रॉ एजेंट का रोल निभा रही हैं। दिलचस्प बात ये है कि फिल्म का ट्रेलर कुछ वक्त पहले ही सोशल मीडिया पर अपलोड हुआ है, जिसने अब इंटरनेट पर बवाल मचा दिया है।

'कराची टू नोएडा' सीमा हैदर और सचिन मीणा की प्रेम कहानी पर आधारित फ़िल्म है। जिसके ट्रेलर ने लोगों को काफी इंप्रेस कर दिया है। यही वजह है कि ट्रेलर को कुछ ही घंटों में हजारों व्यूज मिल चुके हैं। फिल्म का ट्रेलर प्रोड्यूसर अमित जानी ने जारी किया है। वहीं इसका निर्देशन जयंत सिन्हा ने किया है। जिसमें सीमा हैदर रॉ एजेंट का रोल निभाते हुए दिखाई दीं, जिसके बारे में पाकिस्तान को पता चल जाता है और वहां पर काफी बवाल मच जाता है, लेकिन इस खुलासे के पहले ही सीमा वापस इंडिया आ जाती हैं। फिल्म में सीमा हैदर का रोल फरहीन फलर निभा रही हैं। वहीं सचिन मीणा के रोल में आदित्य राघव नजर आ रहे हैं। इसके अलावा फिल्म में आपको 'गदर 2' के मेजर मलिक रोहित चौधरी भी दिखाई देंगे, जो इसमें कराची पुलिस कमिश्नर के किरदार में हैं, वहीं मनोज बक्शी पाक आर्मी अफसर का रोल निभा रहे हैं। ज्ञातव्य है कि सीमा हैदर पाकिस्तान की वो महिला हैं जो अपने प्यार सचिन मीणा से मिलने के लिए नेपाल के रास्ते भारत आई थी। दोनों की दोस्ती पबजी गेम खेलते हुए हुई थी। यहीं से दोनों का प्यार परवान चढ़ा और सीमा कराची से नोएडा आ गई।

वहीदा रहमान को पहले ही मिल जाना चाहिए था दादा साहब फाल्के पुरस्कार : अमिताभ

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने एक्ट्रेस वहीदा रहमान की प्रशंसा की है और कहा है कि उन्हें बहुत पहले ही दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जाना चाहिए था। 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में वहीदा को भारतीय सिनेमा में उनके अतुलनीय योगदान के लिए दादा साहब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 'गाइड', 'प्यासा', 'साहब बीबी और गुलाम', 'दिल्ली-6', 'कागज के फूल' और कई अन्य फिल्मों के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस ने सेल्युलाइड पर अनगिनत यादगार किरदार निभाए हैं और उनका करियर लगभग सात दशकों तक फैला है। नॉलेज-बेस्ड रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के एपिसोड 54 में, होस्ट अमिताभ बच्चन ने चल रहे फैमिली स्पेशल वीक में रोलओवर कंटेस्टेंट्स 'द बोल बच्चन' का हॉट सीट पर स्वागत किया। 80,000 रुपये के लिए उनसे सवाल पूछा गया, 'प्यासा' और 'गाइड' जैसी फिल्मों की किस दिग्गज अभिनेत्री को 2023 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया? दिए गए ऑप्शन थे- ए: शर्मिला टैगोर, बी: वहीदा रहमान, सी: जीनत अमान और डी: सायरा बानो। सही जवाब वहीदा रहमान था।

उसी के बारे में बात करते हुए, अमिताभ ने कहा: वहीदा रहमान को देव आनंद की बर्थ एनिवरसरी के मौके पर दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें यह पुरस्कार उनके 100वें जन्मदिन पर मिला। यह एक संयोग था। 'शोले' फेम एक्टर ने आगे कहा, वो एक कमाल की एक्टर हैं और उन्हें ये अवॉर्ड और पहले ही मिलना चाहिए था। क्या आप सहमत नहीं हैं? एक्टर ने कहा, वह मेरी फेवरेट हैं। मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। मुझे उनके साथ ताम करने का सौभाग्य मिला, वो दरियादिल, बहुत सरल हैं। वो कभी भी किसी को ये अहसास नहीं कराती कि वो दिग्गज एक्ट्रेस हैं।

अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में शिरकत करने आ रही हैं प्रियंका चोपड़ा

मुंबई/भाषा

अभिनेत्री-निर्माता प्रियंका चोपड़ा जोनस शुक्रवार से शुरू हो रहे जियो मामी मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में शिरकत करने के लिए भारत आ रही हैं। लॉस एंजिलिस में रह रही प्रियंका फिल्म महोत्सव के वर्तमान संस्करण की अध्यक्ष हैं और उन्होंने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर भारत यात्रा की जानकारी साझा की। अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर भारतीय पासपोर्ट और बोर्डिंग पास की तस्वीर साझा करते हुए लिखा,'मुंबई पहुंचने के लिए बेसब्र हूं, और इंतजार नहीं हो रहा ।' महोत्सव की शुरुआत हंसल मेहता के निर्देशन में बनी करीना कपूर की फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' से होगी। जियो मामी मुंबई फिल्म महोत्सव का तीन वर्ष के अंतराल के बाद उसके पुराने स्वरूप में आयोजन हो रहा है जिसका समापन पांच नवंबर को होगा। महोत्सव में यहां दक्षिण एशिया की समकालीन फिल्मों तथा नए कलाकारों पर विशेष ध्यान देने वाली 250 से अधिक फिल्मों को प्रदर्शित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, समारोह में 40 से अधिक विश्व प्रीमियर, 45 एशिया प्रीमियर, 70 दक्षिण एशिया प्रीमियर और 13 वर्ग शामिल हैं।

कमल हासन की नई फिल्म 'केएच234' का हुआ एलान

मुंबई/एजेन्सी

साउथ सुपरस्टार कमल हासन ने पिछले साल फिल्म 'विक्रम' से धमाकेदार वापसी की थी। फिल्म की कहानी से लेकर अभिनेता के दमदार अभिनय को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। इसके बाद से ही कमल हासन बैक टू बैक फिल्में साइन कर रहे हैं। जहां वह एक तरफ अपनी फिल्म 'इंडियन 2' को लेकर चर्चा में हैं, वहीं अब खबर आ रही है कि उन्होंने एक और फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। यह कमल हासन की 234वीं फिल्म होगी और इसका निर्देशन मणिरत्नम द्वारा किया जाएगा। 'केएच234' नामक इस फिल्म की आज आधिकारिक घोषणा हो गई है।

साउथ सुपरस्टार कमल हासन और मणिरत्नम आखिरकार 36 साल बाद फिर से साथ काम करने के लिए तैयार हैं। दोनों ने आखिरी बार ब्लॉकबस्टर फिल्म 'नायकन' में साथ काम किया था। इसके बाद से ही फैंस लंबे समय से दोनों के साथ काम करने का इंतजार कर रहे थे। लेटेस्ट अपडेट के अनुसार फैंस का यह इंतजार आखिरकार 36 साल बाद खत्म हो गया है। फिल्म 'केएच234' के मेकर्स ने भव्य लॉन्च कार्यक्रम में फिल्म का एलान करते हुए इसकी पूरी टीम की घोषणा की है। बता दें, अभी फिल्म का नाम तय नहीं किया गया है और इसे 'केएच234' इसलिए बुलाया जा रहा है क्योंकि यह कमल हासन की 234वीं फिल्म होगी।

एक रिपोर्ट में यह भी दावा किया जा रहा है कि कमल हासन ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। खबर है कि इस फिल्म में बड़ी संख्या में स्टार्स शामिल हैं। इतना ही नहीं यह भी बताया जा रहा है कि यह एक एक्शन फिल्म होने वाली है। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म का बड़ा प्रोमो शूट शुरू हो चुका है। फिल्म 'केएच234' पर काम चल रहा है और इसे कमल हासन, मणिरत्नम, आर. महेंद्रन और शिव अनंत जैसे निर्माता मिलकर बना रहे हैं।

मेकर्स द्वारा फिल्म का एक वीडियो रिलीज किया गया, जिसमें कमल हासन और मणिरत्नम के साथ ही फिल्म के क्रू का भी इंट्रोडक्शन दिया गया है। जहां एक तरफ मणिरत्नम जैसे दिग्गज निर्देशक इसका निर्देशन करते नजर आएंगे, वहीं दूसरी ओर फिल्म का म्यूजिक एआर रहमान द्वारा तैयार किया जाएगा। फिल्म की एक्शन कोरियोग्राफी की जिम्मेदारी निपुण अनबरीव मास्टर्स संभाल रहे हैं। वह कमल हासन के साथ पहले फिल्म 'विक्रम' में काम कर चुके हैं।

कमल हासन के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता को आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई एक्शन फिल्म 'विक्रम' में देखा गया था। लोकेश कनगराज निर्देशित यह फिल्म ब्लॉकबस्टर रही थी। इसके अलावा वह जल्द ही फिल्म 'इंडियन 2' में नजर आएंगे। काफी समय से कमल हासन 'इंडियन 2' की तैयारियों में जुटे हैं और सेट से उनकी तस्वीरें अक्सर वायरल होती रहती हैं।

मेरी माटी मेरा देश

नई दिल्ली में शुक्रवार को मेघालय और नागालैंड से मेरी माटी मेरा देश 2023 अमृत कलश यात्रा प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंचा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | शनिवार | 28-10-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

धर्मरूपी कल्पवृक्ष पंचमेष्ठि से व्याप्त आत्मा को परमात्मा बनाते हैं। अरिहंत परमात्मा जड़ है, सिद्ध भगवंत फल, आचार्य भगवंत फूल है और उपाध्याय पत्ते व साधु भगवंत धड़ के स्थान पर है। साधु भगवंत जिनका पंच परमेष्ठी में अंतिम स्थान है किंतु सभी पदों में उनकी महिमा, गरिमा महान है। अरिहंत बनने से पूर्व साधु बनना होता है। सिद्ध, आचार्य और उपाध्याय भी साधु बने बिना प्राप्त नहीं हो सकते। कैवल्य ज्ञान सहित अन्य ज्ञान भी साधु बने बिना प्राप्त नहीं किए जा सकते, सिद्ध पद को प्राप्त नहीं किया जा सकता। मरुदेवी माता ने भी तभी सिद्ध अवस्था को प्राप्त किया जब उनके भावों में साधुता आई।

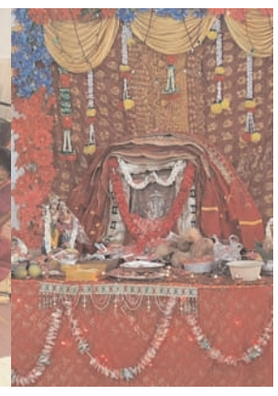

दादी परिवार ने सम्पन्न किया राणीसती दादी का मंगल पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। दादी परिवार द्वारा हर महीने की भांति इस महीने भी दादी परिवार ने राणी सती दादी का मंगल पाठ यहां गणेश मन्दिर रायपुरम में आयोजित किया।

जिसमें बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने दादी के मंगल पाठ में भाग लिया तथा अनेक मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। दादी परिवार की अध्यक्ष शीला शाह, सरोज पत्ती, सुमन गुग्गा, प्रभा तोदी, विरा कामदार, मनीषा अग्रवाल, मधु चौधरी, अर्पिता पित्ती आदि ने व्यवस्था संभाली।

आदिनाथ ट्रस्ट में 1008 आयंबिल, लाभार्थी परिवार का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आदिनाथ ट्रस्ट शूले द्वारा आदिनाथ सेवा केंद्र में शाश्वत नवपद आसोद मास की ओलीजी में शुक्रवार को चौदस को लगभग 1008 आयम्बिल हुए। ट्रस्ट के बंधु बेलड़ी मोहन मनोज जैन, महावीर बरडिया, रविंदर बोहरा,विनय गुलेच्छा, मदनलाल चोवटिया, किशोर ओटमल छाजेड, रमेशभाई मुठलिया, मांगीलाल जैन ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। सम्पूर्ण वर्ष आयम्बिल एवं वर्षीतप के बियासना के लाभार्थी परिवार हुलासचंद प्रमोद चोरड़िया व आदिनाथ ट्रस्ट के सदस्य और किशोर छाजेड का ट्रस्ट के सदस्यों ने सम्मान किया। इस आयोजन में तपस्या करने वाले सभी तपस्वियों का सम्मान किया गया। इस मौके पर सुंदरी आयंबिल मंडल एवं केएलपी महिला मंडल, पुष्पा गुलेच्छा,विजयलक्ष्मी लुंकड़, अनिता जैन, नीतू, वनिता आदि ने श्रम दिया। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष वी मनोज जैन ने सभी को धन्यवाद दिया।

साधक जीवन का मूल आधार है चारित्र : आचार्य उदयप्रभसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय किलपॉक जैन संघ में विराजित आचार्यश्री उदयप्रभसूरीश्वरजी ने चारित्र पद की विवेचना करते हुए कहा कि चारित्र का अर्थ है आचरण, व्यवहार में जीवों को अभय देना, ऐसा विचार, जिसमें किसी अन्य को पीड़ा न पहुंचे। चारित्र की प्रथम सीढ़ी यह है कि जीवन ऐसा बनाना कि व्यवहार, अचार-विचार से किसी को पीड़ा न पहुंचे। साधक जीवन का मूल आधार चारित्र है। वर्तमान का चारित्र भी मोक्ष देने वाला ही है, इसमें कोई संदेह नहीं। यदि वर्तमानकाल में मोक्ष की प्राप्ति नहीं हो रही है, तो यह काल के कारण है। अनादिकाल से जीव कर्मवश बनकर संसार सागर में परिभ्रमण कर रहा है। जीव कभी

कर्म का क्षय करता है, तो कभी कर्मों का बंध करता है। परंतु क्षय और बंध की प्रक्रिया से ही आत्मा का भव पार नहीं हो सकता है। आत्मा के पूर्व संचित कर्मों को दूर करने के लिए सर्व पाप क्रियाओं का त्याग करना चारित्र है। चारित्र के पांच प्रकार बताए गए हैं सामायिक चारित्र, छेदोपस्थापनीय चारित्र, परिहार विशुद्ध चारित्र, सूक्ष्म संपराय चारित्र और यथाख्यात चारित्र। समभाव में स्थिर रहने के लिए अशुद्ध और सावध्य प्रवृत्तियों का त्याग करना सामायिक है। उन्होंने कहा भावनात्मक क्रिया के लिए अभ्यास करना जरूरी होता है। शारीरिक क्रियाएं कर पाएं या नहीं, भावनात्मक धर्म तो करना ही चाहिए। उत्तम वस्तु की प्राप्ति उत्तम भावों से ही होती है।

आचार्यश्री ने कहा कि उत्तम भाव ही मोहनीय कर्मों का क्षय कर सकता है। मोहनीय कर्म को तोड़ने की ताकत सम्यक् ज्ञान में है। जीव की रक्षा जो पल-पल करे, वह संयमी कहलाता है। आज मोह की स्थिति ऐसी हो गई है कि सम्यक् ज्ञान प्रगट ही नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा नींद की दवा पैसे से मिल सकती है परंतु नींद पैसे से नहीं मिल सकती, उसके लिए पुण्य जरूरी है। संयमी आत्मा जीव की रक्षा करती है और संसारी व्यक्ति अजीव की रक्षा करने में लगा हुआ है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु जैन संघ के कैलाश संखलेचा, मनोज बाफना, प्रवीण नागोरी, सुरेश लखानी अशोक छाजेड़, राजू चॉकलेट ने बेंगलूरु दक्षिण विभाग के पुलिस उपायुक्त मनोनीत होने पर राहुलकुमार शाहपुरवाड से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया।

प्रभु वाणी कल्याण की वाणी है : साध्वी चैतन्यश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम के एएमकेएम में विराजित साध्वीश्री चैतन्यश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि परमात्मा प्रभु महावीर की अंतिम देशना जो मानव जीवन के लिए सुख का खजाना है। उत्तराध्ययन के आठवें अध्ययन में कपिल मुनि एवं नमीराजर्षि ने किस प्रकार साधना के द्वारा इस संसार से मुक्त हुए विस्तार से साध्वीश्री बताया। साध्वीनी ने संयम की प्रेरणा दी।

क्षमा से बड़ा संसार में कोई तप नहीं है : महासती धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। क्षमा से बड़ा संसार में कोई तप नहीं है। शुक्रवार को साहुकारपेट जैन भवन मे श्री नवपद ओलीजी के अष्टमदिवस पर महासती धर्मप्रभा ने आयंबिल तप अराधको और श्रद्धालुओं को श्रीपाल चारित्र सुनाते हुए कहा कि क्षमा ही धर्म है इसके समान संसार मे कोई तप नहीं है, और धर्म भी नहीं है। जब तक मनुष्य मे क्षमा करना और क्षमा मांगता नहीं आ जाता है तब तक वो महान नहीं बन सकता है।

मनुष्य जीवन इतना लंबा और अटपटा है कि यदि क्षमा मांगने और देने का गुण व्यक्ति में नहीं है तो उनका जीवन बड़ा कष्टकारी बन जाता है। मांगने से अहंकार खत्म हो जाता है, जबकि क्षमा करने से संस्कार बनते हैं। शीलवान का शस्त्र, प्रेम का परिधान और नफरत का निदान है क्षमा करने के लिए व्यक्ति को अपने अहम को खत्म करना पड़ता है और एक सहनशील,संतोषी व्यक्ति ही कर सकता है। वही इंसान जगत मे महान और पूज्यनीय बनता है।

साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने भगवान महावीर स्वामी की अंतिम देशना श्रीमद उत्तराध्यय सूत्र का वांचन करते हुए कहा कि मनुष्य को समय मात्र का प्रमाद भी नहीं करना चाहिए क्योंकि समय का कोई भी भरोसा नहीं है। कब मृत्यु बुलावा आ जाए और सांसों डोर टूट जाने से पहले व्यक्ति चेत जाता है और धर्म के क्षेत्र में समय को व्यतीत करता है तो वह मानव भव को सार्थक बनाकर संसार से आत्मा का कल्याण करवा सकता है। साहुकारपेट श्री संघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया की नवपद ओलीजी करने वाले अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने आयंबिल तप एवं विगह के साध्वीवृंद से पच्चखाण लिए। जिनका साहूकारपेट श्री एस.एस. जैन संघ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी, सुरेश डूगरवाल, अशोक कांकरिया पृथ्वीराज वाघरेचा, जंवरीलाल कटारिया तथा मंत्री सज्जनराज सुराणा आदि सभी ने तप की अनुमोदना की।

दूसरों के मन में श्रद्धा व स्वयं के मन में साधना पैदा करता है संयम : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने प्रवचन में कहा कि पुराने जमाने में पानी पीने की मटकी को तीन लकड़ी से बने तिपाई पर रखते थे, ऐसे ही संपूर्ण जैन धर्म भी त्रिपदी पर रखा है। त्रिपदी है सम्यकदर्शन, सम्यकज्ञान और सम्यकचारित्र की। संसार में सार नहीं है, अगर सार है तो संयम में ही है, छोड़ने जैसा संसार है और पाने जैसा संयम है। प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में ये अभिलाषा रखनी चाहिए कि मैं भी चारित्र पांऊ। संयम हमेशा दूसरों के मन में श्रद्धा पैदा करता है और खुद के मन में साधना के भाव पैदा करता है। बहुत सरल होता है चारित्र की बातें करना, बहुत सरल होता है कोई दीक्षा लेता है तो उसको लाखों का चढ़ावा लेना परन्तु उससे भी कठिन होता है स्वयं संयम ग्रहण कर उसका पालन करना। संसार में रहना चाहिए पर अपने जीवन में चारित्र लेकर मुक्ति की तलाश करनी चाहिए। संसार में जन्म लेकर पैदा होना हमारी मजबूरी है, संसार में जीना हमारी मजबूरी है किन्तु मुक्ति के पथ पर निकलना ये हमारे लिए जरूरी है।

'देव, गुरु, धर्म के प्रति श्रद्धा रखने से पूर्ण हो जाते है सारे मनोरथ'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने नवपद ओली महापर्व के मौके पर कहा कि जीवन में कोई भी परिस्थिति बने हमारी अपने देव, गुरु व धर्म के प्रति श्रद्धा कमजोर नहीं होनी चाहिए।

इस श्रद्धा के बल पर हम अपना हर मनोरथ पूर्णकर सकते है और पग-पग पर पुण्यनिधान चलते है। जीवन में यश कमाना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। यश के बिना जीवन सार्थक नहीं हो सकता। यश पुण्य के बलबूते ही कमाया जा सकता है। इसलिए हमेशा अपने पुण्य बढ़ाने का प्रयास करे।

साध्वी शीतल गुणा श्री ने कहा कि श्रीपाल और मयणासंदरी के लिए नवपद ही उनके जीवन का वास्तविक आधार था ।नवपद ही उनका आलंबन था। नवपद ही उनके लिए आश्वासन था। नवपद ही उनका जीवन था। नवपद ही उनके लिए सर्वस्व था। नवपद का साथ जिसे प्राप्त हो उसे और चिंता नहीं हो सकती। नवपद के पास मांगने की आवश्यकता भी नहीं है आवश्यकता है संपूर्ण समर्पण की। मेघराज भंसाली ने बताया कि शनिवार को सिद्धचक्र महापूजन का आयोजन किया गया है।

भगवान महावीर वेलफेयर एसोसिएशन के नए पदाधिकारियों का हुआ चयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरम्बूर। भगवान महावीर वेलफेयर एसोसिएशन की साधारण सभा संस्था द्वारा संचालित युवाचार्य मधुकर मुनि जैन हॉस्पिटल पेरम्बूर में सम्पन्न हुई। अध्यक्ष पारसमल सुराणा द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। उपाध्यक्ष विजय तातेड़ ने गत वर्ष की बैठक का विवरण प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष भंवरलाल खिंवसरा ने गत वर्ष का आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। मंत्री चेतन पटवा ने हास्पिटल की वार्षिक रिपोर्ट तथा मंत्री प्रतिवेदन पेश किया। उन्होंने बताया कि हॉस्पिटल में जरूरतमन्दों को अल्पशुल्क पर साधारण चिकित्सा के अलावा दंत, नेत्र व ईएनटी, महिला चिकित्सा प्रदान की जाती है। यहां पर एक्स-रे, इसीजी, फिजियोथेरपी लेब की भी व्यवस्था है। बैठक में आगामी दो वर्ष के लिए निर्विरोध चयन हुआ जिसमें अध्यक्ष पारसमल सुराणा, उपाध्यक्ष विजयकुमार तातेड़ व अजित पटवा, मंत्री चेतन पटवा, सहमंत्री अजित गोठी व गौतम सकलेचा, कोषाध्यक्ष भंवरलाल खिंवसरा, सहकोषाध्यक्ष संजय मेहता चुने गए। संस्था अपने स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रही है। इस मौके पर सिल्वर जुबली कमेटी के चेयरमैन के रूप में राजेश बोहरा व मासिक ग्रामीण स्वास्थ्य शिविर आयोजन के लिए शिविर चेयरमैन के रूप में मंगलचन्द तातेड़ को चुना गया। बैठक में इन्दरचन्द विनाकिया, महावीर मुथा, रिखबचन्द लोढ़ा, करण छल्लाणी, सुरेन्द्र ललवाणी, राजेश समदड़िया, महेन्द्र तालेड़ा, हेमराज कुंकुलोल, हरीश कांकरिया उपस्थित थे।

संतों के चारित्रिक गुणों की होती है वंदना : आचार्य देवेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। नवपदों में आठवां पद चारित्र पद पर प्रकाश डालते हुए बिन्नी नोर्थटाउन के श्री सुमतिवल्लभ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरीजी ने कहा कि आचरण से साधुता होते हुए भी समाज में किसी व्यक्ति की तब तक वंदना नहीं की जाती जब तक वह साधु का वेश धारण न कर ले। साधु के पंच महाव्रतों और उनके गुणों की वंदना की जाती है। साधु का सत् चरित्र और उनका परोपकारपूर्वक आचरण वंदनीय होता है। आचार्य श्री ने कहा कि द्रव्य और भाव चारित्र की अनुमोदना करते-करते जो देह त्यागता है उसे देव गति और उससे भी उत्कृष्ट सिद्धत्व दिलाने वाली गति प्राप्त होती है। हम इस जन्म में चारित्र न भी ले पाएं तो भी परमात्मा से ऐसी प्रार्थना करें कि मेरे हृदय में ऐसी उत्कृष्ट भावना जागे और मैं भी संयम जीवन अंगीकार कर चारित्र पद की आराधना कर सकूं।जब तक मनुष्य के चरित्र में संयमता नहीं आएगी तब तक वह अधिक पाने की लालसा में अधर्म का मार्ग अपनाता रहता है। यही अधर्म उसके दु:खों का कारण बनता है। ऐसे में हमें प्रभुश्री के बताए मार्गों पर चलकर नवपदो की आराधना करनी होगी ताकि जीवन में उत्तम चारित्र पद की प्राप्ति हो सके। हम चारित्र ग्रहण करें, ऐसी भावना मन में रखे पर जीवन में अंतराय कर्मों के उदय के चलते यदि हम चारित्र जीवन में ग्रहण नहीं भी कर पाएं तो भी अपने जीवन को संयमित रखते हुए आने वाले फालतू के कामों से मुक्त होकर चारित्र धर्म की आराधना कर सकते हैं।

आचार्यश्री ने कहा कि संस्कृत में चरित्र का मतलब आचरण है। इस प्रकार सम्यक चरित्र से तात्पर्य सही आचरण है। मोक्ष प्राप्त करने के लिए यह तीन रत्नों में से तीसरा है। नवपद की साधना से जीवन में निखार आता है। मन में व्याप्त विकारों का नाश होता है। मनुष्य के अंतर्मन में शुद्ध भाव जागृत होते है और उसी से दान उत्तम शील के भाव मनुष्य के जीवन में आते है।

'मोक्ष मार्ग के तीन रत्न हैं ज्ञान, दर्शन और चारित्र'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी की शिष्या साध्वी अनुज्ञाश्रीजी ने नवपद आराधना के अष्ठम दिवस पर चारित्र का महत्व बताते हुए कहा कि ज्ञान दर्शन चारित्र को रत्नत्रयी कहा गया है। हीरे, माणक, मोती यह तो संसार के रत्न है लेकिन ज्ञान, दर्शन, चारित्र मोक्ष मार्ग के रत्न है। ज्ञान से आत्म तत्व की पहचान होती है। दर्शन से आत्मा की प्रतीति होती है। चरित्र से आत्मिक गुणों की प्राप्ति होती है। चर्यते प्राप्यते मोक्षोऽनेनेति चरित्रम ऐसी क्रिय जिसके द्वारा सभी कर्मों का नाश हो और आत्मा शीघ्र ही अपने स्वरूप को प्राप्त करें उसे चारित्र कहते हैं। चारित्र दो प्रकार के होते हैं, द्रव्य चारित्र और भाव चारित्र। चारित्र के बिना जीव को मोक्ष नहीं हो सकता। चारित्र अर्थात संयम। संयमपना पुण्यशाली आत्मा को ही प्राप्त होता है।

इससे पूर्व साध्वी ऋषिताश्रीजी ने नवपद ओली में श्रीपाल मैनासुंदरी चरित्र के माध्यम से नवकार महामंत्र के रहस्य उसके प्रभाव और उसकी महिमा के बारे में बताया। नवकार महामंत्र इतना शक्तिशाली है कि व्यक्ति की आदि व्याधि समाप्त हो जाती है और समाधि को प्राप्त करता है। नवकार महामंत्र का सच्चे मन से स्मरण करने से जीव भव पार कर सकता है। साध्वी प्रियंगीश्रीजी की छह उपवास की तपस्या गतिमान है। नवकार महामंत्र जाप के लाभार्थी मकेशकुमार ढेलड़िया परिवार थे। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.